दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04 : अंक : 24 | ग्वालियर, शनिवार 13 मार्च 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

कोयम्बटूर सीट से तमिलनाडु विधानसभा चुनाव लड़ेंगे कमल हासन, कांग्रेस-बीजेपी के उम्मीदवारों से होगा मुकाबला

चेन्नई। मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम) के प्रमुख कमल हासन तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में कोयम्बटूर दक्षिण विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। अभिनेता से नेता बने हासन ने शुक्रवार को यह ऐलान किया। उनका सामना बीजेपी और कांग्रेस के उम्मीदवारों से होगा। यह सीट एआईएडीएमके और डीएमके ने अपने गठबंधन दलों को दी हुई है। हालांकि, अभी तक दोनों दलों ने उम्मीदवारों का ऐलान नहीं किया है। एमएनएम के उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी करते हुए कमल हासन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि कोयम्बटूर उनके दिल के काफी करीब है। कोयम्बटूर, जो तमिलनाडु के पश्चिमी क्षेत्र में आता है, को कोंगु बेल्ट के नाम से भी जाना जाता है। यह एआईएडीएमके का गढ़ कहा जाता है। बीजेपी को भी इस क्षेत्र में अच्छा-खास समर्थन प्राप्त है। हासन ने कहा कि मेरे पिता का सपना था कि मैं एक आईएएस अधिकारी बनूं और फिर राजनीति में प्रवेश करूं। मैं उनके सपने (आईएएस अधिकारी बनने का) को पूरा नहीं कर सका। हालांकि मेरी पार्टी में कई (पूर्व) आईएएस अधिकारी शामिल हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है। कमल हासन ने एमएनएम की स्थापना एआईएडीएमके और डीएमके के विकल्प के तौर पर साल 2018 में की थी। पार्टी ने पिछला लोकसभा चुनाव भी लड़ा था, लेकिन कोई भी सीट जीतने में कामयाब नहीं हो सकी थी। पार्टी को 3.7 फीसदी वोट मिले थे। चेन्नई और कोयम्बटूर के शहरी इलाकों में पार्टी को ठीक-ठाक समर्थन हासिल है। पार्टी की ओर से साल 2019 का लोकसभा चुनाव कोयम्बटूर सीट से लड़ने वाले आर महेंद्रन को एक लाख से अधिक वोट मिले थे। इस बार वे सिंगानल्लुर सीट से चुनावी मैदान में हैं। पूर्व आईएएस अधिकारी संतोष बाबू, जो पहले विल्लिवक्कम के उम्मीदवार थे, को अब वेल्लूर से मैदान में उतारा गया है।

फेयरवेल स्पीच में भावुक हुईं जस्टिस इंदु मल्होत्रा, नहीं पूरा कर पाईं भाषण

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की जज इंदु मल्होत्रा शुक्रवार को अदालत में अपने आखिरी दिन बेहद भावुक हो गईं और वेयरफेल स्पीच पूरी नहीं कर पाईं। इसके चलते चीफ जस्टिस एसए बोबडे ने कहा कि वह चाहेंगे कि इंदु मल्होत्रा किसी और मौके पर अपने भाषण को पूरा करें। कोर्ट में अपने आखिरी दिन इंदु मल्होत्रा चीफ जस्टिस एसए बोबडे के साथ बेंच पर बैठी थीं। अटॉर्नी जनरल समेत देश के अन्य तमाम सीनियर अधिवक्ता भी उन्हें विदाई देने के लिए मौजूद थे। अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने इस मौके पर कहा कि यह एक विडंबना है कि अच्छे जज बहुत जल्दी रिटायर हो जाते हैं। जजों की रिटायरमेंट उम्र 70 साल तक किए जाने की बात करते हुए अटॉर्नी जनरल ने कहा, उन्हें यहां कम से कम 10 साल और काम करना चाहिए था। यह बेहद दुखद है कि इस कोर्ट में जज 65 साल की उम्र में ही रिटायर हो जाते हैं। यही नहीं केके वेणुगोपाल ने इस दौरान सबरीमाला केस की सुनवाई को भी याद किया। उन्होंने कहा कि इंदु मल्होत्रा ही वह जज थीं, जिन्होंने अपने 4 पुरुष सहयोगियों से अलग राय जाहिर की थी। इस केस में 4 पुरुष जजों ने महिलाओं को सबरीमाला मंदिर में एंट्री देने की बात कही थी, जबकि इंदु मल्होत्रा ने इसका खिलाफ राय दी थी। उन्होंने अपनी राय देते हुए कहा था कि जब तक मामला असंवैधानिक न हो, तब तक धार्मिक मामलों में कोर्ट को दखल देने से बचना चाहिए। केके वेणुगोपाल ने उनकी जमकर तारीफ करते हुए कहा कि हम एक महान जज को अपने बीच से विदा कर रहे हैं। मुकुल रोहतगी समेत वरिष्ठ वकीलों ने की जमकर तारीफ- वहीं सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के प्रेसिडेंट विकास सिंह ने कहा कि वह हमेशा से वकीलों के लिए एक प्रेरणा रही हैं। यही नहीं सीनियर वकील मुकुल रोहतगी, पीएस नरसिम्हा, गोपाल शंकर नारायणन समेत कई अन्य दिग्गज हस्तियों ने भी उनकी खूब तारीफ की। इस दौरान चीफ जस्टिस एसए बोबडे ने उनसे जुड़े एक वाकये के बारे में बताते हुए जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि एक दौर में इंदु मल्होत्रा जब वकील थीं तो बहस के दौरान वह रुक ही नहीं रही थीं। सीजेआई ने बताया, कितनी तैयारी करके आती थीं इंदु मल्होत्रा- बोबडे ने कहा, वह अपना पक्ष रख रही थीं और इस दौरान वह रुक नहीं रही थीं।

कोरोना की नई लहर ने पंजाब का हाल किया बेहाल

मोहाली और फतेहगढ़ साहिब में नाइट कर्फ्यू

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच महाराष्ट्र के बाद अब पंजाब में भी प्रतिबंध लगा दिए गए हैं। कोरोना हॉटस्पॉट बनते जा रहे पंजाब के कुछ इलाकों में नाइट कर्फ्यू लगाए जाने का फैसला लिया गया है। फिलहाल मोहाली और फतेहगढ़ साहिब में 12 मार्च यानी आज से ही नाइट कर्फ्यू की घोषणा की गई है। नाइट कर्फ्यू रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक रहेगा। इससे पहले गुरुवार को पंजाब के लुधियाना और पटियाला में भी नाइट कर्फ्यू की घोषणा की गई थी। बता दें कि भारत में शुक्रवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 23000 से अधिक नए मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 23285 नए मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक देशभर में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण की वजह से 117 लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, पंजाब में गुरुवार को कोरोना के 1 हजार 393 नए केस दर्ज किए गए थे। वहीं, 17 लोगों की एक दिन में इससे मौत हुई थी। राज्य में कोरोना की नई लहर को देखते हुए बीते रविवार पंजाब के चीफ सेक्रटरी विनी महाजन ने एक्सपर्ट्स के साथ उच्च स्तरीय बैठक भी की ताकि स्थिति से निपटा जा सके। बीते कुछ हफ्तों में देश के पांच राज्यों में कोरोना के सबसे ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। इनमें महाराष्ट्र और केरल के बाद तीसरे नंबर पर पंजाब ही है। इसके बाद गुजरात और तमिलनाडु हैं।

महाराष्ट्र के कई इलाकों में लगा लॉकडाउन-कोरोना वायरस की नई लहर की वजह से महाराष्ट्र के कई इलाकों में लॉकडाउन लगा दिया गया है। पहले नागपुर और अब अकोला में लॉकडाउन लगाए जाने की घोषणा की गई है। वहीं, पुणे में रात 11 बजे से सुबह 6 बजे तक नाइट कर्फ्यू लागू कर दिया गया है। कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए 31 मार्च तक स्कूल और कॉलेजों को बंद कर दिया गया है। साथ ही होटलों और बार को आदेश दे दिया गया है कि वे रात दस बजे के बाद नहीं खोले रखेंगे।

ममता राज में क्यों डरा हुआ है नादिया का हिन्दू

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में चुनावी शंखनाद होने से राजनीति अपने चरम पर है. आए दिन हिंसक झड़प और हत्या की खबरें बंगाल को वो जगह बना रही है जहां पर राजनीति और सत्ता की गद्दी के लिए कुछ भी जायज है. लेफ्ट पर हिंसा का आरोप लगाकर ममता बनर्जी सत्ता में आई थीं, आज कुछ उसी तरह के आरोप बीजेपी उन पर लगा रही है. कभी जय श्री राम के नारे से चिढ़ने वाली मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुनाव आते ही अब खुद चंडीपाठ करने में लगी हैं. वे मंदिर-मंदिर जाकर दोबारा सत्ता में आने की मन्नत मांग रही हैं. चुनावी मौसम में हिंदुत्व की हुंकार भरने वाली ममता बनर्जी की सरकार में ही एक वक्त ऐसा भी था जब दुर्गा पूजा पर प्रतिबंध लगता था, पूजा पंडालों में पथराव हो जाता था. में न्यूज नेशन की टीम ने पश्चिम बंगाल में हिंदुओं की स्थिति क्या है, इसकी पड़ताल शुरू की है. न्यूज नेशन की टीम सबसे पहले पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से महज 150 किलोमीटर की दूरी पर स्थित नादिया जिले पहुंची. ममता सरकार में ये जिला कई बार धार्मिक दंगों की आग की लपटों में झुलस चुका है. दंगों के दौरान यहां सैकड़ों लोग घायल हुए थे. जबकि कई मंदिरों में तोड़फोड़ भी हुई थी. न्यूज नेशन की टीम नादिया जिले के कुबेर नगर गांव में पहुंची तो उसे पूरे इलाके में ऐसा सन्नाटा पसरा नजर आया, जैसे कर्फ्यू लगा हो. लोग सिर्फ अपने काम से ही घरों से बाहर निकलते दिखे. शुरुआती नजारों को देखकर लगा कि यहां के लोग इतने व्यस्त रहते हैं कि उन्हें सड़कों पर घूमने का वक्त नहीं मिलता.

किसानों ने 169 दिन बाद धरना प्रदर्शन किया खत्म पंजाब में ट्रेन सेवाएं बहाल

नई दिल्ली। दिल्ली की सीमाओं पर पिछले करीब साढ़े तीन महीने से किसानों का आंदोलन चल रहा है. वहीं दूसरी ओर पंजाब से राहत भरी खबर निकलकर सामने आ रही है. दरअसल, कृषि कानूनों के खिलाफ अमृतसर में रेल पटरियों के ऊपर बैठे किसानों ने धरना प्रदर्शन को खत्म कर दिया है और उन्होंने पटरियों को खाली करने का निर्णय लिया है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रेनं रद्द होने की वजह से राज्य के कारोबारियों और किसानों को काफी नुकसान का सामना करना पड़ रहा था, जिसकी वजह से किसानों ने 169 दिन से चल रहे धरना प्रदर्शन को खत्म कर दिया है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक किसानों द्वारा धरना प्रदर्शन खत्म करने के ऐलान के बाद अमृतसर के जंडियाला गुरु रेलवे स्टेशन से अमृतसर से दिल्ली के लिए ट्रेन सेवाएं शुरू हो गई हैं.

हरियाणा बजट: योगी आदित्यनाथ की राह पर खट्टर

गुरुग्राम और पिंजौर में फिल्म सिटी का ऐलान

नई दिल्ली। हरियाणा की मनोहर लाल खट्टर सरकार भी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की राह पर चल पड़ी है। खट्टर ने विधानसभा में अपने भाषण में गुरुग्राम और पिंजौर में फिल्म सिटी का ऐलान किया है। हरियाणा सरकार ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 1.55 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया। बता दें कि यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार ने पिछले साल ही गौतमबुद्धनगर (नोएडा) में फिल्म सिटी बनाने का ऐलान किया था। बजट में स्वास्थ्य, कृषि और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया गया है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने राज्य विधानसभा में अपना दूसरा बजट पेश किया। खट्टर के पास वित्त मंत्रालय का प्रभार भी है। खट्टर ने कागजरहित बजट अनुमानों में किसी नए कर का प्रस्ताव नहीं किया है। वित्त वर्ष 2021-22 का बजट बढ़ाकर 1,55,645 करोड़ रुपये किया गया है। यह इससे पिछले वित्त वर्ष यानी 2020-21 के 1,37,738 करोड़ रुपये के बजट से 13 प्रतिशत अधिक है। बजट व्यय में 25 प्रतिशत या 38,718 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय और 75 प्रतिशत या 1,16,927 करोड़ रुपये राजस्व व्यय है। बजट अनुमानों के अनुसार राजस्व घाटा 29,193 करोड़ रुपये (राज्य सकल घरेलू उत्पाद का 3.29 प्रतिशत) रहने का अनुमान है। चालू वित्त वर्ष में इसके सकल घरलू उत्पाद (जीएसडीपी) के 25.92 प्रतिशत पर पहुंच जाने का अनुमान है। मार्च, 2021 तक इसके 1,99,823 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। खट्टर ने एक अप्रैल से वृद्धावस्था पेंशन को बढ़ाकर 2,500 रुपये मासिक करने का प्रस्ताव किया। अभी यह 2,250 रुपए है।

दिल्ली एनसीआर का बदला मौसम, बारिश के बाद गिरा पारा

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में शुक्रवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ले लिया. दिल्ली एनसीआर के कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई. मौसम विभाग के अनुसार मध्य प्रदेश और राजस्थान के कुछ इलाकों में बारिश हो सकती है. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के भोपाल केंद्र के वरिष्ठ मौसम विज्ञानी पी के साहा ने बताया कि अगले 24 घंटों में प्रदेश के ग्वालियर, चंबल, जबलपुर, भोपाल, होशंगाबाद और सागर संभागों के अलग-अलग स्थानों पर बारिश होने की संभावना है. साहा ने कहा कि गुरुवार को खंडवा में अधिकतम तापमान 40.01 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

जदयू में विलय से पहले उपेंद्र कुशवाहा को लगा बड़ा झटका

राजद में शामिल हुए तीन दर्जन नेता

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू में अपनी पार्टी राष्ट्रीय लोक समता दल (रालोसपा) का विलय करने से पहले पार्टी अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा को बड़ा झटका लगा है। रालोसपा के प्रभारी प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र कुशवाहा सहित बिहार झारखंड के तमाम पदाधिकारी तेजस्वी यादव की मौजूदगी में राजद में शामिल हो गए हैं। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी की मौजूदगी में राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने रालोसपा के लगभग तीन दर्जन नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस मौके पर तेजस्वी ने कहा कि उपेंद्र कुशवाहा जी को छोड़कर पूरी पार्टी का राजद में विलय हो गया। जदयू में रालोसपा के विलय से पहले राजद में पार्टी के बड़े चेहरों का जाना कुशवाहा के लिए बड़ा झटका है। इसके अलावा नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने हत्या के मामले में जदयू विधायक धीरेंद्र सिंह उर्फ रिंकू सिंह की गिरफ्तारी की मांग की है। उनपर चंपारण के पूर्व जिला परिषद सदस्य दयानंद वर्मा की हत्या का आरोप है। इस मामले में मृतक दयानंद वर्मा की पत्नी कुमुद वर्मा के बयान पर वाल्मीकि नगर से जदयू विधायक रिंकू सिंह और उनके अन्य साथी के खिलाफ पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है।

14 मार्च को होगा विलय-समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, 14 मार्च को पटना में रालोसपा का जदयू में विलय होगा, जहां इस मौके पर खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मौजूद रह सकते हैं। रालोसपा के एक वरिष्ठ नेता ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया, रालोसपा ने जदयू के साथ विलय पर पार्टी कार्यकर्ताओं से मंजूरी लेने के लिए 13-14 मार्च को पटना में दो दिवसीय बैठक बुलाई है। माना जा रहा है कि बिहार विधानसभा 2020 में मिली हार के बाद उपेंद्र कुशवाहा ने विलय का फैसला लिया है। उपेंद्र कुशवाहा के नेतृत्व में पार्टी 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में एक भी सीट हासिल करने में विफल रही। उपेंद्र कुशवाहा के एक करीबी सहयोगी और आरएलएसपी के महासचिव माधव आनंद के एएनआई से बात करते हुए कहा कि 14 मार्च तक प्रतीक्षा करें और उसके बाद आप पार्टी के निर्णय को जान पाएंगे।

महाराष्ट्र में रोज टूट रहे कोरोना के रिकॉर्ड

आज सामने आए 15 हजार से ज्यादा केस

> अधिकारी ने बताया कि होटल और रेस्तरांओं का परिचालन 50 प्रतिशत क्षमता के साथ करने की अनुमति होगी और उन्हें एक बोर्ड लगाना होगा जिसमें एक समय में अधिकतम लोगों के उपस्थित होने की अनुमति संबंधी जानकारी होगी। राव ने कहा कि लोगों को रात 11 बजे से सुबह छह बजे तक बिना वजह सड़कों पर घूमने की अनुमति नहीं होगी।

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के रिकॉर्ड पिछले कुछ दिनों से रोजाना टूट रहे हैं। शुक्रवार को एक बार फिर से राज्य में कोरोना वायरस के नए मामलों में बढ़ोतरी हुई है। 15 हजार से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं। वहीं, महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में भी कोरोना के केस बढ़े हैं। शहर में 1,646 नए मामले पाए गए हैं। पिछले कुछ दिनों में महाराष्ट्र में कई प्रकार की पाबंदियां लगाई गई हैं। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र में आज 15,817 नए कोरोना के मामले मिले हैं। यह इस साल सामने आने वाले रोजाना मामलों में सबसे अधिक संख्या है। गुरुवार को राज्य में 14,317 मिले थे। मुंबई में भी इस साल पहली बार 1500 मामलों का आंकड़ा पार हुआ है। वहीं, महाराष्ट्र के पुणे जिले में कोविड-19 के मामलों में हाल में देखी गई वृद्धि के मद्देनजर जिला प्रशासन ने स्कूलों और कॉलेजों को 31 मार्च तक बंद रखने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही होटलों एवं रेस्तरांओं को खुला रखने के समय में भी कटौती की गई है। पुणे के संभागीय आयुक्त सौरभ राव ने बताया कि नयी पाबंदियों के तहत स्कूल और कॉलेज 31 मार्च तक बंद रहेंगे जबकि होटलों एवं रेस्तरांओं को रात 10 बजे तक ही खोलने की अनुमति होगी और घर तक खाना पहुंचाने की सेवा रात 11 बजे तक ही मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन सुनिश्चित करेगा कि 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा की तैयारियां इसकी वजह से प्रभावित नहीं हों।

एक नजर...

श्रीवास समाज मऊरानीपुर का 18 वां सामूहिक विवाह सम्मेलन श्री नरसिंह भगवान मंदिर प्रांगण में हुआ आयोजित, इस मौके पर 85 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

पुष्पांजली टुडे

मऊरानीपुर झांसी जानकारी के अनुसार महाशिवरात्रि पर्व के मौके पर श्रीवास समाज मऊरानीपुर का 18 वां सामूहिक विवाह सम्मेलन श्री नरसिंह भगवान मंदिर प्रांगण नदी पार कटरा में मुख्य अतिथि विधायक बिल्हौर भगवती प्रसाद सागर एवं किशोरी बाबूजी की उपस्थिति में आयोजित किया गया। धोबी समाज द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में 85 जोड़ों ने अग्नि के समक्ष सात फेरे लेकर एक दूजे का जीवन भर साथ निभाने का वचन दिया। इस मौके पर पंडितों ने मंत्रोच्चारण के बीच जोड़ों ने विवाह बंधन में बंधकर नए जीवन की शुरुआत की। 85 दूल्हों की बारात जयंती पहले से शुरू होकर बिलैया चौराहा, डाकखाना चौराहा, परमट चौराहा, बड़ा बाजार, बजरिया से भ्रमण करती हुई बैंड, डीजे, घोड़े, ढोल, नगाड़ों के साथ विवाह स्थल पर पहुंची। जहां पर शादी की समस्त रस्मों के साथ विवाह वैदिक रीति रिवाज से संपन्न कराए गए। इस मौके पर वर-वधू को उपस्थित अतिथियों ने आशीर्वाद दिया। इस मौके पर आयोजन कमेटी ने वर-वधू को उपहार स्वरूप सोने चांदी के जेवरात एवं घर गृहस्थी का सामान भेंट किया। विवाह सम्मेलन में वर-वधू पक्ष के लोगों के लिए खाने, पीने व ठहरने की व्यवस्था निशुल्क की गई। इस मौके पर अध्यक्ष जुगल किशोर, संयोजक संतोष श्रीवास, कोषाध्यक्ष प्रमोद कुमार, संरक्षक प्रेम नाथ उर्फ छोटे ने मुख्य अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस मौके पर पार्षद कैलाश श्रीवास, प्रमोद सेठ, नम्रता श्रीवास प्रोफ़ेसर दिल्ली, अजय श्रीवास पीसीएस, पंकज श्रीवास पीसीएस, महेश शंकर वीडियो, जयराम सिंह अधिशासी अभियंता, जय राम रजक पलेरा, गोपाल बाबू जी, रामपाल प्रधान, अजय श्रीवास प्रधान, राकेश पहलवान, संतोष श्रीवास पत्रकार, जगदीश श्रीवास, धीरेंद्र पहलवान, बैजनाथ, धनीराम, आयुष, प्रदीप, दिलीप, बद्री, भागीरथ, चिंतामन, प्रेमपाल, कमलेश, हरिराम, छेदीलाल बाबा, राजेंद्र प्रधान, परमलाल, पवन श्रीवास, प्रदीप श्रीवास, पुष्पेंद्र बाबा, नेहा श्रीवास, हरनारायण श्रीवास, श्री प्रकाश चौटाला, हरिश्चंद्र आर्य, गुड्डू मिस्त्री, राकेश, प्रागी लाल अहिरवार, महेश मास्टर, देवकीनंदन, रघुराई राम श्रीवास चंद्रभान श्रीवास, ओम प्रकाश वर्मा सहित आदि समाज के लोग उपस्थित रहे।

गोरमी परिषद द्वारा नगर का विकाष कैसे हो आमजन एवं गणमान्यजन से मांगे गये सुझाव

संतोष सिंह भदोरिया

गोरमी। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा आज प्रदेश भर में आयोजित मिशन नगरोंउदय कार्यक्रम के तहत नगर परिषद गोरमी में नगर के गणमान्य नागरिकों एवं आम जनों की एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें नगर के विकास हेतु सुझाव मांगे गए उपस्थित सभी लोगों ने गोरमी नगर का विकास कैसे हो इस मुद्दे पर अपने अपने सुझाव रखे । स्थानीय नागरिकों ने गोरमी में बाईपास की मांग एबम बस स्टैंड एवं एवं गोरमी में सब्जी मंडी को मुख्य मार्ग से हटाना एवं बड़े नाले का शीघ्र निर्माण कराया जाए बच्चों को खेलने के लिए एक खेल मैदान एवम मुख्य मार्ग पर डिवायडर बनाया जाये गोकुल सिंह पवार ने कहा की वर्तमान विधायक मेहगांव मध्य प्रदेश शासन राज्य मंत्री ओ. पी. एस भदौरिया को मीडिया के माध्यम से सूचना देना चाहूंगा की शस्त्र रिन्यूअल संबंधित समस्याएं का निराकरण गोरमी तहसीलें में ही किया जाए कुछ इस प्रकार की व्यवस्था हो । नगर परिषद द्वारा कार्यकर्म में स्ट्रीट बेंडर को दस हजार का चेक 15 लोगो को दिया गया इसके बाद मुख्यमंत्री का लाइव प्रसारण देखा गया।इस अबसर पर मुख्य रूप से नगर परिसद अधिकारी अशोक कुमार सब इंजीनियर एस के श्रीवास्तव बरिष्ठ जनों में भाजपा मंडल अध्यक्ष सुभाष थापक गोकुल सिंह परमार मान सिंह यादव राजकुमार जैन पुरोहित निर्मल आर्य पटेल यादव सोनू भदौरिया राजेन्द्र भदोरिया संतोष भदोरिया दिनेश श्रीवास रणवीर परमार अरविंद जैन राहुल कटारे रामजीलाल थापक आदि उपस्थित थे।

नगर में जल संकट को लेकर बैसली डैम पर कांग्रेस का जलसत्याग्रह शुरू

गोहद। नगर में पानी की समस्या को लेकर भयंकर जल संकट है। नगर की प्यास बुझाने के लिए एकमात्र बैसली डैम हैं बैसली डैम एक माह से सूखा हुआ है जल संसाधन विभाग के अधिकारी रोजाना नई-नई तारीखें देकर बैसली डैम भरने का आश्वासन दे रहे हैं परंतु अभी तक बैसली डैम में एक बूंद भी पानी नहीं आया। नाही नगर पालिका परिषद गोहद के पास नगर की पेयजल समस्या को लेकर कोई वैकल्पिक व्यवस्था है। नहीं के लिए त्राहिमाम मची हुई है। विधायक मेवाराम जाटव के द्वारा मध्यप्रदेश विधानसभा में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लाया गया है। जिस पर 15 मार्च को सरकार के द्वारा जवाब दिया जाना है। इसके बाद भी नगर में पेयजल समस्या ज्यों की त्यों है। इसी को लेकर कांग्रेस पार्टी के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी देवासी जरारिया के निर्देशन में बैसली डैम पर आज से अनिश्चितकालीन जल सत्याग्रह शुरू हो गया। इस जल सत्याग्रह में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कराने के लिए स्थानीय विधायक मेवाराम जाटव भी पहुंचे। जल सत्याग्रह में युवा कांग्रेस नेता शैलेंद्र सिंह गुर्जर, शहर अध्यक्ष विजय उर्फ टोनी मुदगल, किसान कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष आशीष गुर्जर, युवक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष राजकुमार देशलहरा, जनपद सदस्य केशव देसाई, जनपद सदस्य केदार कौशल, बबलू बरैया, बृजेश चौरसिया देवेंद्र पाठक, विजय निगम, शिवचरण जयंत, नरोत्तम चौरसिया, रामहेत जाटव, प्रमोद शुक्ला, रागिनी चौहान, राजेंद्र परिहार, अवध किशोर उर्फ बंटी गुर्जर, प्रदीप त्रिवेदिया, पिंकी उचाडिया, कैलाश माहौर, फ़िरदौस कुरेशी, जावेद पठान, आरिफ उर्फ शेखू खान, काजी लालुउद्दीन, तहसील शाह, रमजानी खान, अजीत शर्मा सहित लगभग एक सैकड़ा कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मेडिकल संचालक क्लीनिक खोल करते थे उपचार, हुई महिला की मौत

दबोह(अर्पित गुप्ता)। नगर में आजकल मरीजो की संख्या अधिकतर बढ़ रही है वहीं नगर में संचालित होने वाले दो दर्जन से अधिक प्राइवेट अस्पताल झोला छाप डॉक्टर संचालित कर रहे है इन डॉक्टरो के पास ना कोई डिग्री है तथा ना कोई डिप्लोमा और ना ही वह व्यवस्था है जो मरीजो को मिलना चाहिए इसके साथ-साथ नगर में कुछ डॉक्टर ऐसे भी है जिनका घर,क्लीनिक एवं मेडिकल स्टोर एक ही है।जसकी वजह से सही उपचार न मिलने की वजह से यह मेडिकल संचालक आये दिन लोगो की जान से खिलवाड़ करते नजर आ रहे हैं। दरअसल मामला भिण्ड जिले के दबोह नगर का है जहां पर नगर के कोंच रोड दबोह पर संचालित चावला मेडिकल स्टोर के संचालक रविन्द्र सिंह चावला(काके)ने गलत उपचार कर महिला की जान ले ली।दरअसल मृतक महिला के 22 वर्षीय पुत्र विशाल जाटव निवासी इंदरगढ़ ने बताया कि लगभग गुरुवार की दोपहर 03 बजे मैं अपनी माँ चंदा उम्र लगभग 42 वर्ष को चावला मेडिकल पर कमर,घुटना,सर दर्द होने की वजह से दवा दिलाने लाया था।जिसके बाद मेडिकल संचालक काके चावला के कहने पर उन्होने मेडिकल के बगल में ही खुद की दुकान में खुले प्राइवेट क्लिनिक में चंदा को उपचार के दौरान इंजेक्शन व गोली दी।बेटे के बयान के दौरान मेडिकल संचालक के उपचार के तुरंत बाद ही महिला चंदा की तबीयत और अधिक बिगड़ने लगी।बेटे ने जब पुनः काके चावला को बताया तो उन्होंने एक इंजेक्शन और लगाया जिसके बाद महिला चंदा को घबराहट होने लगी और उनकी तबीयत और ज्यादा बिगड़ गई।जिसके

दबोह में गली गली बैठे झोलाछाप डॉक्टरों व मेडिकल संचालक

थोड़ी ही देर बाद महिला की मौत हो गई।

महिला की मौत होते ही मेडिकल की शटर डालकर भाग निकले मेडिकल संचालक-जैसे ही महिला की मौत का पता लगा तो तुरंत चावल मेडिकल के संचालक रविन्द्र काके चावला अपने मेडिकल पर ताले डाल कर भाग खड़े हुए।जब मेडिकल के बाहर मृतिका के परिजनों का हुजूम उमड़ गया और मामले ने तूल पकड़ लिया तब जाकर मेडिकल संचालक अपने मेडिकल आये और सामंजस्य बिठाने की बात होने लगी पर बात बनने की जगह बिगड़ गई।जिसके बाद गुस्साए परिजनों ने दबोह थाना पहुंच कर मृतिका के पुत्र ने शिकायत दर्ज कर मेडिकल संचालक के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

आखिर कैसे मेडिकल संचालक संचालित कर रहे उपचार-दरअसल नगर दबोह में ऐसे 95प्रतिशत मेडिकल संचालक हैं जो मेडिकल की आड़ में अपना प्राइवेट क्लिनिक संचालित कर लोगो का उपचार करते हैं और लोगो की जान से खिलवाड़ भी करते है।यहां बताना मुनासिब होगा कि पूर्व में भी चावला मेडिकल संचालक द्वारा कई शिकायतें चिकित्सा विभाग तक पहुंच चुकी हैं परंतु अब तक इन पर कोई कार्यवाही नही हुई।इससे तो यह स्पष्ट होता है कि मेडिकल संचालक की ऊपरी अधिकारियों से अच्छी खासी सांठ गांठ है जिसकी वजह से इनपर कोई भी अधिकारी कार्यबाही की जहमत नही जुटा पा रहा है।फिलहाल तो यह कहना होगा कि अगर जल्द ही अवैध रूप से मेडिकल संचालित कर रहे संचालको व झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्यवाही नही की गई तो वह दिन दूर नही जब नगर में एक महीने में कई लोगो की मौत का आंकड़ा बन जाएगा क्यों कि नगर में अत्यधिक लोग उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की वजह प्राइबेट उपचार लेते हैं।

इनका कहना

मुझे मामले की जानकारी मिली है,सम्बन्धित टीम को मैंने मार्क कर दिया है। जल्द ही छापामार कार्यवाही की जाएगी।

अजीत मिश्रा
जिला चिकित्सा अधिकारी भिण्ड

अगर मेडिकल संचालक द्वारा एक्सपायरी दवाएं बेची जाती हैं तो जल्द ही टीम के साथ छापामार कार्यवाही की जाएगी।

आकांक्षा गरुण
ड्रग इंस्पेक्टर भिण्ड

आये दिन नगर दबोह के मेडिकल संचालको के द्वारा उपचार करने की खबर प्राप्त हो रही है।बीते रोज भी एक महिला की गलत उपचार होने मौत हुई थी।जल्द ही मेरे द्वारा दबोह के सारे झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्यबाही की जायेगी और इसी के साथ दबोह स्वास्थ्य केंद्र में सुविधाये बढ़ाई जायेगी।

डॉ.धर्मेंद्र श्रीवास्तव
ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी लहार

फ़रियादी की रिपोर्ट दर्ज कर मर्ग कायम किया गया है,मामले की जांच जारी है।

प्रमोद साहू
थाना प्रभारी दबोह

पूर्व में भी मेडिकल संचालक की लापरवाही की खबरे मिली हैं और अब गलत उपचार से महिला की मौत की घटना निंदनीय है। वरिष्ठ अधिकारियों को इस मामले से अवगत कराउंगा।

डॉ.निशांत यादव
मेडीकल ऑफिसर दबोह

आजादी का 75 वॉ अमृत महोत्सव शहीद रामप्रसाद बिस्मिल की जन्मभूमि बरबाई में धूमधाम से मनाया...

केशब पंडित जी अम्बाह

अम्बाह... शहीद रामप्रसाद बिस्मिल पॉर्क गॉव बरबाई में आजादी के 75 वे अमृत महोत्सव पर कार्यक्रम आयोजित किया गया क्षेत्रीय विधायक कमलेश जाटव व पुलिस प्रसासन मुरैना कलेक्टर बी कार्तिकेयन अम्बाह एसडीएम राजीव समाधिया मुरैना पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार पाण्डेय व थाना प्रभारी योगेन्द्र सिह जादौन उपस्थित रहे सभी अथिति गणो ने राष्ट्रगान गाकर बिस्मिल जी के परिबारीजनो को सॉल श्रीफल देकर सम्मानित किया भाजपा नेता गजेन्द्र सिह ने अपने काव्य मय पाठ से बिस्मिल जी के बारे में बिस्तार से बताया और गॉव क्षेत्र बासियो ने अपनी अपनी समस्याओ के बारे में कलेक्टर एसडीएम को आबेदन दिये दोनो अधिकारियो ने कुछ समस्याओ का तुरन्त सम्बधित अधिकारियो को बुलाकर समाधान कराया कुछ सात दिवस में सुलझाने का आश्वसन दिया इस मोके पर बरिष्ट समाज सेवी रामनरेश पटसारिया खेमसिह भदौरिया भजपा मण्डल अध्यक्ष कल्ला शर्मा सुरेन्द्र कक्का रामकुमार गुप्ता पोरसा पटबारी शिवमोहन गौरीशंकर सरपंच बिष्णु राठौर सैवदूी सुरेन्द्र शर्मा एवं समस्त ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस ने दस सूत्रीय ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर को दिया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। जिले में व्याप्त जनसमस्याओं के निराकरण को लेकर नगर कांग्रेस कमेटी ने दस सूत्रीय ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर को दिया है

ज्ञापन की मुख्य मांगे निम्न प्रकार है

1.भिंड से निकलने वाली नेशनल हाईवे 92 को 6 लेन का बनाया जावे और भिंड शहर के बायपास जो शहर के अंदर आ गया इससे दुर्घटनाये बढ़ गयी है इसलिए नया बायपास बनाया जावे

2.भिंड शहर में जलसंबर्दन के तहत एवं सीवर लाइन के लिए खोदी गयी सड़को के कारण राहगीरों की आवागमन में परेशानी हो रही हैं इन सड़कों का तत्काल मेन्टिनेंश कराया जावे

3.भिंड जिला परिवहन अधिकारी अपने कार्यालय में आमजन को मिलते नही है जिससे ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य कामो को लेकर परेशानी हो रही हैजिला परिवहन अधिकारी की अपने कार्यालय में उपस्थित सुनिष्चित की जावे

4.प्राइवेट स्कूल कोरोना काल मे पूरे साल बंद रहे है लेकिन शिक्षण संस्थाएं फीस छात्रों के अभिभाषको से फीस पूरे साल की ले रही है इस पर रोक लगाई जाए

5.भिंड शहर में नेताजी सुभाष चंद बोस तिराहे से भरोली तिराहे तक जगह जगह रेत माफियाओ द्वारा रेत का अवैध डंप किया गया जिससे रोड पर निकलने वाले आमजन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे है और रेमजा माहिर मूसावली के घाटों पर पनडुब्बियों से अवैध रेत उत्खनन हो रहा है इस पर तत्काल रोक लगाई जाए

6. भिंड का नंबर वन जिला अस्पताल को शव वाहिका का उपलब्ध कराई जाए क्योंकि अभी हाल ही में कचरे की गाड़ी में एक शव को ले जाया गया जो एक अमानवीय की घटना है

7 भिंड शहर के वार्ड नं 2 और 15 में पानी के पंप बार-बार खराब हो रहे हैं नई पंपों का उत्खनन कराया जाए

8 शहर में बढ़ती हुई आबादी को दृष्टिगत रखते हुए शहर के प्रमुख बाजारों सदर बाजार बातासा बाजार ग्वालियर इटावा रोड पुस्तक बाजार भूता बाजार बांग्ला बाजार अटेर रोड महावीर गंज में स्थानीय लोगों द्वारा स्थाई,अस्थाई अतिक्रमण कर मार्ग को अवरुद्ध कर दिया गया है जिसके चलते आम राहगीरों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है साथ ही लोगों का गंतव्य स्थल तक पहुंचने में काफी समय बर्बाद होता है

9. शहर के वार्ड क्रमांक 11 18 23,30 सहित शहर के तमाम वार्ड में कचरा नहीं उठाया जा रहा है जिसके चलते लोग गंदगी के माहौल में जीने को मजबूर है अतः लोगों को गंदगी से राहत दिलाते हुए शहर में नियमित कचरा उठाया जाना सुनिश्चित किया जाए।

10 भिंड शहर में नालों की सफाई ना होने से नाले पूर्णता चौक हो गए हैं जिसके चलते शहर के विभिन्न वार्डों में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई है क्योंकि लोगों के घरों के निकास विकास का पानी नालों में ना पहुंचकर घरों के बाहर एकत्र होकर गंदगी फैल रही है आता शहर के नालों की सफाई कराई जावे।

ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से कांग्रेस के जिला अध्यक्ष जय श्रीराम बघेल वरिष्ठ नेता डॉ राधेश्याम शर्मा, विनोद पंडित, अनिल भारद्वाज रेखा भदोरिया, ममता मिश्रा, राजमणि शर्मा जी पिंकी जाटव जी,महिला सेवादल अध्यक्ष रीना चौहान राजेंद्र यादव दर्शन सिंह तोमर प्रताप सिंह यादव कल्लू प्रमोद दीक्षित अनीस कुरैशी बिज्जू यादव अजय कुमार रामजी लाल शाक्य चंद्रपाल परिहार राहुल सिंह कुशवाह संजीव बरुआ दीपचंद तिवारी कुलदीप भारद्वाज पवन शर्मा कमल सिंह शाक्य अजय विमल मनोज जैन सुमित शर्मा अरविंद सोनी निधि जाटव मोहर सिंह आगरैया हिम्मत सिंह हरिऔध वीर प्रकाश श्रीवास्तव पिंटू शर्मा विनोद जाटव गोविंद शाक्य दीपू दुबे छोटे सिंह शाक्य राजवीर खन्ना इंजीनियर राजू लोधी अंकित तोमर कमलेश जाटव योगेश कुमार शाक्य शिवांश शर्मा प्रियांशु यादव आदि कांग्रेसी उपस्थित थे।

भारतीय जनता पार्टी के दो दिवसीय संयुक्त मंडल प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया

रानी पाली नेनाराम सीरवी/निकटवर्ती ग्राम खेरवा के समीप विजय नाडी मां चामुंडा मंदिर के प्रांगण में भारतीय जनता पार्टी के दो दिवसीय सहयोग मंडल प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। हेमावास एवं गुंदोज मंडल द्वारा प्रशिक्षण शिविर के प्रथम दिन का सत्र भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के आधार पर किया गया। जिसमें वक्ताओं के द्वारा बताया गया कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत व परिश्रम के पसीने से लथपथ होकर पार्टी बनाई गई।भाजपा आज दुनिया की नंबर एक पार्टी बनी और हम उस पार्टी के कार्यकर्ता बने इस का सौभाग्य प्राप्त हुआ।भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय व डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बताए हुए पद चिन्हों पर चलते रहे।उपाध्याय व मुखर्जी के उस समय की मेहनत व प्रयास इतनी परिश्रम वाले थे कि आज तक उनके द्वारा किए गए कार्यों को हम उन्हीं के अनुसार करते आ रहे हैं।परिश्रम व लगातार प्रयास से ही पार्टी के कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व का विकास होता है।पार्टी ने वरिष्ठ कार्यकर्ता व नेताओं के द्वारा आम जनता की भावना से जुड़ी व भारतवर्ष की जनता के हित गांव गरीब के बारे में हमेशा विचार करने की बदौलत आज भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के साथ-साथ जन जन के प्रिय पार्टी के रूप में जनता व देश के सामने प्रस्तुत हुई हैं।जनता का जुड़ाव भी पार्टी की रीति नीति के कारण ही हैं भाजपा के संस्थापक सदस्य इतने दूर दृष्टि वाले थे कि उन्होंने भारत की राजनीति में सुधार हेतु उस समय से ही प्रयास करने शुरू कर दिए थे। सत्र के दूसरे चरण के दौरान पूर्व प्रधान पंचायत समिति पाली श्रवण बंजारा ने बताया कि आज वर्तमान राजनीति में

रात दिन का अंतर आ गया है।आज भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रहित के मुद्दों को सर्वप्रथम लेकर चलने वाली पार्टी बनी।आज के सोशल मीडिया को पार्टी ने प्रमुखता से लेते हुए प्रिंट मीडिया के साथ-साथ सोशल मीडिया को भी विशेष दर्जा देकर सरकार द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं।अच्छे व जनहित के कार्यों को सोशल मीडिया के द्वारा प्रचारित करने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। सत्र के अंतिम चरण के दौरान भाजपा पाली जिला उपाध्यक्ष महावीर सिंह टेवाली द्वारा अपने सत्र के दौरान सबसे महत्वपूर्ण उद्बोधन के दौरान चरित्र निर्माण को लेकर विस्तृत के रूप में कई जानकारी दी। दो दिवसीय संयुक्त प्रशिक्षण के प्रथम शुरुआत के दौरान भारतीय जनता पार्टी की उपलब्धि एवं भारतीय जनता पार्टी द्वारा किए गए ऐतिहासिक कार्य को लेकर अलग-अलग वक्ताओं ने जानकारी दी। शिविर के दौरान गुंदोज हेमावास मंडल से जुड़े पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। शिविर के दौरान वक्ताओं द्वारा अपने उद्बोधन के दौरान अयोध्या में भगवान श्री राम मंदिर निर्माण हेतु सहयोग कर्ताओं का आभार जताया। तथा धारा 370 को हटाने का स्वागत किया।भारतीय जनता पार्टी के उदय काल से लेकर अब तक के सफर के बारे में पार्टी में शुरुआती दौर में मेहनतकश सहयोगी व्यक्तियों के बलबूते पर आज पूरे देश में भाजपा का परचम लहराया हैं। शिविर के दौरान आए हुए भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों का हेमावास मंडल अध्यक्ष वोरा राम सीरवी तथा गुंदोज मंडल अध्यक्ष गणेश राम पटेल द्वारा आभार जताया गया

शिविर में यह रहे मौजूद-पंचायत समिति पाली प्रधान प्रतिनिधि पुखराज पटेल. किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष चैन सिंह रावलवास. उप सरपंच ग्राम पंचायत लांबिया नेम सिंह रावलवास. भगवान सिंह ओड इंदिरा नगर नरेश मालवीय रामपुरा वडेर वास ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिनिधि अमराराम सीरवी. हुकम सिंह सेवानिया. सहित मंडल स्तर के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महाशिवरात्रि का पावन त्यौहार मनाया जाता है

हरिओम परिहार रिपोर्टर

खनियाधाना / इस दिन शिव भक्त भोलेनाथ की भक्ति में लीन रहते हैं।हर वर्ष के फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को । इस दिन शिवजी के साथ-साथ देवी पार्वती जी की भी पूजा की जाती है। रात्रि प्रथम प्रहर पूजा की जाती है महाशिवरात्रि के पावन अवसर भजन संध्या का कार्यक्रम हुआ तहसील खनियाधाना के ग्राम पंचायत पहाड़ा खुर्द में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भजन संध्या और भोलेनाथ जी की पूजा अर्चना कैसे होती है कैसे की जाती है इसके बारे में हमने श्री बाबूलाल पोस्ट मास्टर जी से जानकारी ली और यहां के कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला पंचायत सदस्य और पूर्व जिला उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी से श्री शंकर भैया जी फीता काटकर कार्यक्रम को संबोधित किया और मुख्य रूप से उपस्थित रहे और बूढ़ा खेड़ा से सरपंच श्री धनपाल सिंह यादव और कदवाया से पंडा जी उपस्थित रहे मंचासीन जनपद सदस्य श्री रमेश कुमार लोधी उपस्थित रहे।

एक नजर...

जबलपुर में सोना 90.0 रुपये चढ़ा, चांदी 70.0 रुपये तेज

जबलपुर सर्राफा बाजार में 12 मार्च को सोने की कीमत में तेजी रही। सोना 90.0 रुपये की मजबूती के साथ 45,980.0 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। 11 मार्च को भाव 45,890.0 रुपये पर बंद हुआ था। चांदी 70.0 रुपये चढ़ कर 69,200.0 रुपये प्रति किलोग्राम पर बोली गई। पिछला बंद भाव 69,130.0 रुपये प्रति किलोग्राम का था। गहने खरीदते समय हॉलमार्क का विशेष ध्यान रखें। हॉलमार्किंग से इस बात की गारंटी होती है कि जो सामान दुकानदार ने ग्राहक को बेचा है, वह उतने ही कैरेट का है, जिनता आभूषण पर लिखा है। हॉलमार्किंग भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम के तहत होती है। हॉलमार्किंग कीमती धातु सामग्रियों में उस धातु की आनुपातिक सामग्री का सटीक निर्धारण और आधिकारिक रिकॉर्ड है। हॉलमार्किंग खरीदारों को सोना की असली-नकली पहचान करने में मदद करके उनके हितों की रक्षा करती है। ना और चांदी की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव आता है। सोना और चांदी लोग आभूषण के अलावा निवेश की दृष्टि से खरीदते हैं। डिमांड बढ़ने पर सोने और चांदी की कीमत बढ़ जाती है। भारत अपनी खपत का अधिकतर सोना विदेशों से आयात करता है। इसलिए वैश्विक गतिविधियों और डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव का असर सोने-चांदी की कीमतों पर पड़ता है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा सोना आयातक है। आभूषण उद्योग की मांग पूरा करने के लिए बड़ी मात्रा में सोना विदेशों से मंगाया जाता है। भारत में सालभर में करीब 800-900 टन सोने का आयात किया जाता है।

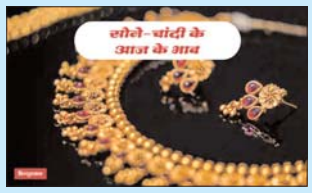

इंदौर में यह रहा सोना और चांदी का रेट

इंदौर में 12 मार्च को सोने की कीमत 45,980.0 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी का भाव 69,200.0 रुपये प्रति किलोग्राम रहा। इंदौर के सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में कल के मुकाबले बदलाव आया है। आज यहां 24 कैरेट सोने की कीमत 45,980.0 रुपये प्रति 10 ग्राम है तो 22 कैरेटे सोने का भाव 42,148.0 रुपये प्रति 10 ग्राम है। कल की तुलना में सोना आज 90.0 रुपये अधिक रहा। सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 69,200.0 रुपये प्रति किलोग्राम है। कल सफेद धातु की कीमत 69,130.0 रुपये थी। गहने खरीदते समय हॉलमार्क का विशेष ध्यान रखें। हॉलमार्किंग से इस बात की गारंटी होती है कि जो सामान दुकानदार ने ग्राहक को बेचा है, वह उतने ही कैरेट का है, जिनता आभूषण पर लिखा है। हॉलमार्किंग भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम के तहत होती है। हॉलमार्किंग कीमती धातु सामग्रियों में उस धातु की आनुपातिक सामग्री का सटीक निर्धारण और आधिकारिक रिकॉर्ड है। हॉलमार्किंग खरीदारों को सोना की असली-नकली पहचान करने में मदद करके उनके हितों की रक्षा करती है। सोना और चांदी की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव आता है। सोना और चांदी लोग आभूषण के अलावा निवेश की दृष्टि से खरीदते हैं। डिमांड बढ़ने पर सोने और चांदी की कीमत बढ़ जाती है। भारत अपनी खपत का अधिकतर सोना विदेशों से आयात करता है। इसलिए वैश्विक गतिविधियों और डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमतों में उतार चढ़ाव का असर सोने-चांदी की कीमतों पर पड़ता है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा सोना आयातक है। आभूषण उद्योग की मांग पूरा करने के लिए बड़ी मात्रा में सोना विदेशों से मंगाया जाता है। भारत में सालभर में करीब 800-900 टन सोने का आयात किया जाता है।

बहनोई पर किया कुल्हाड़ी से वार, फिर कटा हुआ सिर लेकर थाने पहुंचा युवक; बहन ने कर ली आत्महत्या

भोपाल, जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर से एक रूह कंपा देने वाली वारदात सामने आई है। आरोप है कि एक महिला के भाई ने उसके पति की गला रेतकर हत्या कर दी। इसके बाद महिला ने भी खुदकुशी कर ली। कहा जा रहा है कि आरोपी युवक जिसकी उम्र महज 22 वर्ष है, उसने दोनों की शादी का विरोध किया था। नहीं मानने पर उसने यह खौफनाक कदम उठाया। जबलपुर पुलिस ने बताया कि आरोपी धीरज शुक्ला तिलवारा घाट का निवासी है, जो गुरुवार को उसी इलाके के रहने वाले 35 वर्षीय मृतक बृजेश बर्मन के सिर पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इसके बाद वह उसका कटा हुआ सिर लेकर थाने पहुंचा। पुलिस अधीक्षक रवि चौहान ने कहा कि आरोपी को आईपीसी की धारा 302 (हत्या) के तहत पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सीएसपी ने कहा, ÷ब्रजेश और आरोपी धीरज की बहन दो महीने पहले अपने घर से भाग गए थे। परिवार के लोगों ने तिलवारा घाट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। 26 फरवरी को बृजेश और महिला पुलिस के सामने पेश हुए और बताया कि उन्होंने शादी कर ली है। ब्रजेश के परिवार ने महिला को स्वीकार कर लिया, लेकिन परिवारों के बीच एक पुरानी दुश्मनी के कारण महिला का परिवार उनकी शादी से नाखुश था। उन्होंने कहा, ÷दो दिन पहले, धीरज शुक्ला ने अपनी बहन को अपने घर पर बुलाया और कहा कि वे बृजेश के साथ उसकी शादी को स्वीकार करने के लिए तैयार है। गुरुवार सुबह, ब्रजेश और धीरज ने किसी मुद्दे पर लड़ाई की और धीरज ने ब्रजेश पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया। ब्रजेश की पत्नी, जो पिछले दो दिनों से अपने माता-पिता के घर पर रह रही थी, ने छत के पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली। हालांकि, पुलिस मामले की जांच कर रही है कि उसने आत्महत्या की या फिर उसे भी मार दिया गया। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

मप्र में 30,000 शहीदों के नाम पर बनेगा स्मारक

शिवराज बोले- हमें गलत इतिहास पढ़ाया गया

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आजादी के अमृत महोत्सव का शुक्रवार को शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने यह कहा कि मध्य प्रदेश में 30 हजार शरीदों के नाम पर स्मारक बनाया जाएगा। सीएम शिवराज ने कहा कि अभी तक हमें गलत इतिहास पढ़ाया गया है। सीएम शिवराज ने कहा कि अभी तक हमें यही पढ़ाया गया कि सिर्फ कुछ लोगों ने आजादी दिलाने में मदद की लेकिन बहुत से महान नेताओं को किताबों में जगह नहीं मिली। राज्य में 30 हजार से ज्यादा शहीदों के लिए वॉर मेमोरियल बनाए जाएंगे। बता दें कि केंद्र सरकार ने 12 मार्च 2021 से 15 अगस्त 2022 तक देश के 75 स्थानों पर आजादी का अमृत महोत्सव मनाने की घोषणा की है और दांडी मार्च इसी महोत्सव का एक हिस्सा है. कार्यक्रम के आगाज के लिए 12 मार्च का दिन इसलिए चुना गया है, क्योंकि इसी दिन महात्मा गांधी ने दांडी यात्रा की शुरुआत की थी। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैंने सेल्युलर जेल की वह कोठरी देखी है जहाँ हमारे स्वतंत्र वीर सावरकर जैसे क्रांतिकारी रखे गए थे। मैं आज तय करता हूं कि साल में एक बार कुछ चिन्हित बच्चों की अंडमान निकोबार के शहीदों के तीर्थस्थल की यात्रा भी करवाई जाएगी।

सांसद कौशल किशोर के बेटे आयुष की गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

लखनऊ। भाजपा सांसद कौशाल किशोर के बेटे आयुष किशोर को लखनऊ हाईकोर्ट से स्टे मिल गया है। हाईकोर्ट ने आयुष की गिरफ्तारी पर फिलहाल रोक लगा दी है। पुलिस ने आयुष और उनके रिश्तेदार आदर्श सिंह के खिलाफ 120बी, 420, 505 आईपीसी के तहत एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें कथित तौर पर फायरिंग के जरिए झूठे मामलों में बिजनेस पार्टनर्स को फंसाने की साजिश रची गई थी। इसके बाद से आयुष को पुलिस तलाश कर रही थी। आपको बता दें कि कुछ दिन पहले ही आयुष ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में सरेंडर की अर्जी लगाई थी। अदालत में अर्जी दाखिल करने के दौरान आयुष ने कहा था कि इस मामले में पुलिस उसे बराबर तलाश कर रही है व उसके ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। उसे मारपीट कर जेल भेजना चाहती है। जबकि वह स्वेच्छा से आत्मसर्पण करना चाहता है। लिहाजा इस संदर्भ में थाने से रिपोर्ट मंगाई जाए।

छिंदवाड़ा में रेप पीड़िता ने थाने में दिया बेटी को जन्म, महिला कॉन्स्टेबल ने कराई डिलीवरी

पेबल,छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में एक रेप पीड़िता के द्वारा थाने में एक बेटी को जन्म देने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा कि पीड़िता थाने में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने आई थी। तभी उसे अचानक प्रसव पीड़ा उठी ऐसे में एक महिला कांस्टेबल ने थाने में ही उसकी डिलीवरी कराई। दोनों अब पूरी तरह स्वस्थ हैं। यह मामला जिले के लावाघोघरी थाने का है। इसके बाद पीड़िता को जिला अस्पताल में एडमिट कराया गया है। दिलचस्प बात यह है कि शीतल वाघमारे नाम की महिला कांस्टेबल ने पीड़िता की डिलीवरी कराई है, उन्होंने पुलिस ज्वाइन करने पहले नर्सिंग का कोर्स किया हुआ था। पूरे मामले में एक और बात सामने आई है कि, बेटी को जन्म देने के बाद महिला का कहना है कि यदि आरोपी उससे शादी कर लेता है तो वह उसके खिलाफ केस दर्ज नहीं कराएगी। जानकारी के अनुसार, पीड़िता ने बताया कि उसके गाँव का ही एक युवक शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। इस दौरान वह गभवती हो गई तो उसने युवक से शादी की बात की। ऐसे में युवक अपने वादे से मुकर गया। इसी के बाद पीड़िता थाने में शिकायत दर्ज करने पहुँची थी। वहीं पीड़िता के साथ शिकायत दर्ज करने पहुंचे ग्रामीणों ने पुलिस ने आरोप लगाया कि वह आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट नहीं दर्ज कर रही थी। इस सन्दर्भ में थाना प्रभारी ने बताया कि युवती शिकायत दर्ज कराने आई थी। इस पर आरोपी युवक से फोन पर बातचीत की गई। उसने दूसरे दिन आने की बात कही। इसके बाद वह एक केस के सिलसिले में बाहर चले गए। लौटकर आए तो युवती की डिलीवरी हो चुकी थी। थाने की कॉन्स्टेबल शीतल वाघमारे ने बताया कि उन्होंने पुलिस में आने से पहले नर्सिंग का कोर्स किया था। वहीं, दूसरी तरफ आरोपी के परिजन भी पीड़िता को देखने जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने कहा कि,शादी करना लड़के का फैसला है, वह जो चाहे कर सकता है। हालाँकि पुलिस सूत्रों का इस मामले में कहना है कि आरोपी शादी करने को तैयार है।

कॉलेज की राजनीति छोड़ गांव पहुंचे छात्रनेता, कौन-कौन लड़ रहा पंचायत चुनाव

वाराणसी। यूपी में पंचायत चुनाव के साथ-साथ छात्रसंघ चुनाव की सरगर्मी बनी हुई है। वाराणसी में काशी विद्यापीठ, हरिश्चंद्र पीजी कॉलेज, लोहिया कॉलेज और बलदेव पीजी कॉलेज में छात्रसंघ चुनाव हो चुका है। यूपी कॉलेज और संस्कृत विवि में इसी माह छात्रसंघ चुनाव समाप्त हो जाएंगे। इसके बाद छात्रनेता गांव की राजनीति में कूदने की तैयारी में हैं। सोशल मीडिया पर छात्रनेता अपनी मंशा भी जाहिर कर रहे हैं।

काशी विद्यापीठ तथा पूर्वांचल विवि समेत कई अन्य शिक्षण संस्थाओं के छात्रनेता अब पंचायत चुनाव में किस्मत आजमाएंगे। प्रधानी से लेकर बीडीसी सदस्य बनने के लिए उन्होंने कमर कस ली है। इसमें कुछ छात्रसंघ के पूर्व पदाधिकारी भी हैं। कुछ ऐसे हैं, जिन्होंने छात्रसंघ में किस्मत आजमाई, लेकिन सफलता नहीं मिली। यूपी कॉलेज छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष और काशी विद्यापीठ की छात्र राजनीति में सक्रिय

प्रतीक सिंह गाजीपुर में देवकली से जिला पंचायत सदस्य के लिए दावेदारी जता रहे हैं। सोशल मीडिया पर जारी उनके पोस्टर पर पीएम मोदी से सीएम योगी तक की तस्वीरें लगी हैं। काशी विद्यापीठ में छात्रसंघ के पूर्व महामंत्री अमित पटेल 'रिंकू वाराणसी में पिंडरा से जिला पंचायत के सदस्य के उम्मीदवार के तौर पर सोशल मीडिया पर प्रचार कर रहे हैं। एक अन्य छात्रनेता अजीत पाठक चंदौली में सकलडीहा सेक्टर से बीडीसी सदस्य के लिए हवा बनाने में जुटे हैं। समाजवादी छात्रसभा के जितेंद्र सरोज ग्राम प्रधानी के लिए प्रचार कर रहे हैं। एक दशक पहले छात्र राजनीति में सक्रिय रहे प्रमोद चौबे चंदौली से जिला पंचायत सदस्य के लिए आजमाइश कर रहे हैं। यूपी कॉलेज में छात्रसंघ के पूर्व उपाध्यक्ष अनुज सिंह का भी पिंडरा से चुनाव लड़ने का इरादा है। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय और अन्य कॉलेजों के छात्रनेता भी तैयारी में हैं। छात्रनेता प्रतीक सिंह का कहना है कि कई छात्रनेताओं ने तैयारी की थी। मगर आरक्षण की वजह से वह रेस से बाहर हो गए। इसके बावजूद कई लोग मैदान में आएंगे। राजनीति करना है तो दायरा बढ़ाना पड़ेगा।

ट्रेन के सफर में पेंट्रीकार का गड़बड़झाला बिना बिल 40 का सामान दे रहे 50 में

गोरखपुर। पेंट्रीकार वाली ट्रेनों में इन दिनों संचालक और वेंडर जमकर मनमानी कर रहे हैं। सिर्फ पैक्ड आइटम की बिक्री की अनुमति के बाद भी पेंट्रीकार में पकाकर व्यंजन परोस रहे हैं। वह भी पूर्व निर्धारित मूल्य से अधिक। बिल मांगने पर सीधे इनकार कर रहे हैं।

पेंट्रीकार में सिर्फ पैक्ड आइटम की बिक्री की अनुमति की बात तब सामने आई जब शहर के एक जागरूक यात्री अक्षत रूंगटा ने पेंट्रीकार वेंडर से कटलेट ऑर्डर किया। वेंडर ने कटलेट दिया और पूर्व में निर्धारित 40 रुपये की बजाय 50 रुपये वसूला। अक्षत ने जब बिल मांगा तो वेंडर से बिल देने से साफ मना कर दिया। बिल न देने पर अक्षत रूंगटा ने

आईआरसीटीसी के सीएमडी और रेल मंत्रालय को ट्वीट कर इसकी शिकायत की। शिकायत के बाद आईआरसीटीसी तुरंत एक्टिव हो गया और अक्षत रूंगटा को फोन कर बताया कि आईआरसीटीसी ने अक्षत रूंगटा की शिकायत का संज्ञान लेते हुए सम्बंधित पेंट्रीकार फर्म के खिलाफ कठोर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

आईआरसीटीसी ने दिखाई सख्ती–रेलवे में सफर करने वाले यात्रियों से ट्रेन की पैंट्रीकार की अनियमितता की काफी शिकायतें आती हैं। यात्रियों से खाने, चाय, बिस्किट या कोल्ड ड्रिंक आदि के लिए प्रिंटेड मूल्य से अधिक रकम वसूलने पर भी रेलवे की नजर है। फिलहाल अभी सिर्फ दो ब्रांडेड कंपनियों के पैक्ड उत्पाद बेचने की अनुमति दी गई है। अगर कोई पेंट्रीकार में कुछ पकाकर सप्लाई कर रहा है तो सम्बंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। जो वस्तु देगा उसके बदले बिल देना जरूरी है। अगर वेंडर बिल न दे तो यात्री उसका भुगतान न करें।

एटीएम से नहीं निकलेगा नकली नोट, बैंक अपडेट कर रहे मशीन

कानपुर। एटीएम में कटे-फटे और नकली नोट रोकने के लिए तमाम कदम उठाए जा रहे हैं। अब मशीन के अंदर रुपए से भरी कैसेट को ही हर बार बदला जाएगा न कि उसे वहीं पर भरा जाएगा। मेंटीनेंस कंपनी और बैंक के जिम्मेदारी अधिकारियों के सामने कैसेट को भरकर सील किया जाएगा। एटीएम से कटे-फटे, दो टुकड़ा और नकली नोट निकलने की शिकायतें दो साल में डेढ़ गुना से ज्यादा हो गई हैं। तमाम प्रयासों के बावजूद इस पर पूरी तरह रोक नहीं लग पा रही है। नकली नोट एटीएम के अंदर कैसे पहुंच जाते हैं, इसकी जांच आरबीआई

पूर्व विधायक ने प्रेसवार्ता के माध्यम से

विधायक मेवाराम जाटव पर नहर का पानी डायवर्ट कराने का लगाया आरोप

मोहन मांझी

गोहद। हम रोज लगाकर देख रहे हैं कांग्रेस पार्टी से कोई न कोई नेता यहां आके पेयजल के ऊपर कई समस्याओं के ऊपर लगातार चर्चा कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के नेताओं को गोहद की जनता की

पूर्व विधायक रणवीर जाटव समस्या को हल करने के लिए नए वोर करने का दिया आश्वासन

इतनी चिंता हो रही है। हमें भी थी जब मैं 15 महीने कांग्रेस में विधायक था। हमने कमलनाथ से लेकर ऐसा कोई मध्यप्रदेश का सीनियर नेता नहीं रहा होगा जिससे हमने यहां की पेयजल समस्या के बारे में रूबरू होकर नहीं बताया हो। 15 महीने उनकी सरकार रही तो उन्हें चिंता नहीं हुई। अब चिंता हो रही है। जब लगातार हमारी सरकार हम हों, हमारे वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री, पार्टी के नेता, हमारे वरिष्ठ अधिकारी, पार्टी के सभी पदाधिकारी सभी लगाकर प्रयास कर रहे हैं। जो सम्भव हो सकता था। जो स्वीकृत योजना कमलनाथ जी ने केन्सिल की थी द्वारा से हमने पुनः विस्तार रुप दिया और आज पैसे की स्वीकृति कराई। लगातार टैंकरों के माध्यम से हम जहां जहां जैसी सुविधा हो सकती है हम प्रयास कर रहे हैं। कि लोगों को पानी मिल सके। वास्तविक समस्या पेयजल की है जिसे जनता वाकई कई वर्षों से जूझ रही है। हम जल्दी से जल्दी कोशिश कर रहे हैं कि पानी की समस्या का हल जल्दी से जल्दी मिले। यह बात पूर्व विधायक रणवीर जाटव ने सिंचाई विभाग के विश्राम गृह पर आयोजित प्रेस वार्ता में कही। उन्होंने 135 करोड़ की योजना पर बोलते हुए कहा कि इस योजना में चेंजिंग हुई है।

पहले यह योजना पिलुआ डैम से थी। अब इस योजना को हम कोतबार डैम से जोड़ना चाहते हैं इसके लिए हमने कुछ टैक्नीकली कागज मंगवाए हैं। जिससे हमें लाभ मिलेगा। लगातार हम टैंकरों के माध्यम से भी जब तक योजना नहीं शुरू हो रही हम प्रयास कर रहे हैं कि पानी आप सब को मिले। हमने कुछ पौइंट भी निर्धारित किए हैं। जहां हमको आसपास पानी मिल सकता है चाहे जितना भी वहां खर्चा आए। किसी भी हद तक हम लोगों को जाना पडे लेकिन हम नए बोर भी तुरंत कराने की आज प्लानिंग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें दस वोर करने पड़ें चाहे पचास वोर करने पड़ें हम इसके लिए तैयार है।? इनके लिए आज हम बैठक कर रहे हैं। उन्होंने मेवाराम जाट पर आरोप लगाते हुए कहा कि हम यहां 1 सप्ताह पहले आए थे तब यहां पानी आ गया था परंतु यहां के वर्तमान विधायक मेवाराम जाटव जी को ऐसी क्या आवश्यकता पड़ गई की बैसली डैम का पानी उन्हें दूसरी जगह ले जाना पड़ा बांध में पानी की आवश्यकता ज्यादा थी तो पानी आ जाने देते। उसका जवाब वो खुद दैंगे कि पानी यहां से क्यों रोका गया। अधिकारियों के माध्यम से पानी डाइवर्ट कराया। यह जनप्रतिनिधि का कर्तव्य होता है कि उन्हें लगातार प्रयास करना चाहिए था जनप्रतिनिधि जनप्रतिनिधि होता है चाहे वह सरकार का हो चाहे विपक्ष का अधिकारी उसकी बात सम्मान से सुनते हैं और कार्य करते हैं। यह जवाबदारी उनकी बनती है जो वह नहीं कर पाया हम लगातार प्रयास कर रहे हैं। आज पूरी रात हमारी बैठक है चीफ इंजीनियर से लेकर ईएनसी, एससी, ई तक जो लगातार हो सकता है हम करेंगे। लेकिन हम गोहद की जनता को विश्वास दिलाते हैं कि पानी हम देंगे। हमें चाहे पचास वोर भी कराने पड़े तो हम व्यक्तिगत रूप से कराएंगे। उनसे बैसली जलाषय में कब तक पानी पानी आने का पूछने पर उन्होंने एक्जिट डेट इसलिए नहीं बताएंगे कि कहीं कोई पानी बीच में भी रोक दिया जाता है। लेकिन आज हम पूरी रात इसपर अधिकारियों के साथ बैठक है। हमारी दोपहर में मुख्यमंत्री जी से भी इस सम्बन्ध में बात हो गई है।वहीं मंडल अध्यक्ष विवेक जैन ने बताया कि पूर्व मंत्री जनप्रतिनिधि थै कलेक्टर के आगृह पर? जनता से रूबरू हुए हैं अपने विचार व्यक्त किए हैं मैं पूछना चाहता हूं मेवाराम जाटव ने आखिरकार अधिकारियों की बैठक क्यो नही ली गोहद में नेता पानी के ऊपर राजनीति न करें प्रेस वार्ता में पूर्व विधायक रणवीर जाटव के साथ नगर मंडल अध्यक्ष विवेक जैन, सुरेश बोहरे, शैलेंद्र भदोरिया, सौरभ पाण्डेय सहित कई भाजपा नेता उपस्थित थे।

सम्पादकीय

फिर लॉकडाउन

यह बड़ी चिंता का विषय है, देश के लगभग मध्य भाग में स्थित नागपुर में फिर लॉकडाउन की नौबत आ गई है, पर उससे भी बड़ी चिंता यह कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने राज्य के अन्य शहरों में भी लॉकडाउन की आशंका जताई है। हालांकि, उनका यह कहना उम्मीद जगाता है कि अभी कोरोना संक्रमण से स्थिति बेकाबू नहीं हुई है। फिर भी लॉकडाउन की वापसी सोचने पर विवश कर रही है। महाराष्ट्र में जलगांव में जनता कर्फ्यू की स्थिति है और अब नागपुर में 15 मार्च से 21 मार्च तक लॉकडाउन हमें सावधान करने के लिए पर्याप्त होना चाहिए। नागपुर में केवल आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी। पिछले महीने ही नागपुर के सभी स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थान बंद कर दिए गए थे। बाजार को शनिवार और रविवार को खोलने की अनुमति थी, पर अब पूरी तरह बंदी का एलान कर दिया गया है। ध्यान रहे, इस राज्य में पहले ही सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक आयोजनों में भीड़ पर रोक है। एक समय पूरे देश में प्रतिदिन कोरोना संक्रमण के कुल दस हजार मामले भी नहीं आ रहे थे, लेकिन अब अकेले महाराष्ट्र में ही 12,000 से ज्यादा मामले आने लगे हैं। अकेले महाराष्ट्र में एक लाख से अधिक सक्रिय मामले हैं। केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र सरकार से उचित ही कहा है कि वह वायरस को हल्के में न ले। स्वास्थ्य मंत्रालय की दैनिक प्रेस ब्रीफिंग में नीति आयोग के सदस्य डॉक्टर वी के पॉल ने कहा है कि महाराष्ट्र में कोरोना मामले का बढ़ना काफी गंभीर है। इससे दो सबक मिलते हैं, वायरस को हल्के में नहीं लेना है और अगर हमें कोरोना से छुटकारा पाना है, तो फिर कोविड-19 से बचाव के दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा। इसमें कोई शक नहीं कि कोरोना के प्रति लोग पहले की तुलना में लापरवाह हुए हैं। हमारी आबादी का एक बड़ा हिस्सा अब मास्क की जरूरत भी महसूस नहीं कर रहा है। टीकाकरण को ही अगर देखें, तो उद्धव ठाकरे देर से टीका लेने वाले मुख्यमंत्रियों में शुमार हैं। महाराष्ट्र में मुंबई में बुधवार को 1,539 मामले, पुणे शहर में 1,384, नागपुर शहर में 1,513, नासिक में 750, यवतमाल जिला 403 और औरंगाबाद में 560 दर्ज किए गए हैं। इन तमाम शहरों में सरकार को लॉकडाउन की जरूरत महसूस होने लगी है। बेशक, कोरोना के खिलाफ युद्ध समाप्त नहीं हुआ है। पर उन छह राज्यों में विशेष कड़ाई की जरूरत है, जहां कोरोना के ज्यादातर मामले दर्ज हो रहे हैं। सभी को मिलकर इसमें अपनी भूमिका का निर्वाह करना है। केरल में मामले आधे हुए हैं, तो महाराष्ट्र में दोगुने से भी अधिक हो गए हैं। विकसित राज्य आखिर देश के सामने कैसी मिसाल पेश कर रहे हैं? ऐसे राज्य, जिन्हें अपनी संपन्नता पर गर्व है, उनके लिए कोरोना परीक्षा बनकर आया है। लोगों को नए सिरे से सावधान होना पड़ेगा। लॉकडाउन की प्रशंसा कोई नहीं करेगा, लेकिन यह देखना भी जरूरी है कि लॉकडाउन की नौबत के लिए कौन जिम्मेदार है? वह सरकार जो बार-बार दिशा-निर्देश जारी करती है या वे लोग, जो एक कान से सुन दूसरे से निकाल देते हैं? टीकाकरण जारी है, तो इसका अर्थ यह नहीं कि हम निडर घूमने लगें। विशेषज्ञों ने भी बता दिया है कि टीकाकरण की अभी जो गति है, हम 2024 में ही सामुदायिक रोग प्रतिरोधक क्षमता हासिल कर सकेंगे। तब तक सतर्कता ही प्राथमिकता है।

रोजगार का संकट

सुशील कुमार सिंह

भारत में कई वर्षों से अर्थव्यवस्था में उत्पादन क्षेत्र के योगदान में खास बदलाव नहीं आया है। जब बदलाव कमतर होगा तो रोजगार कमजोर होगा और बेरोजगारी बढ़ेगी। इसके उलट चीन, कोरिया और जापान जैसे अन्य एशियाई देशों में स्थिति कहीं अधिक बदलाव ले चुकी है। बेशक भारत सत्ता के पुराने डिजाइन से बाहर निकल आया हो, मगर रोजगार के मामले में दावे और वायदे अभी भी दूर की कौड़ी हैं।दुनिया भर में नई तकनीकों के चलते कई पेशे अपने अस्तित्व को खो रहे हैं और रोजगार के लिए चुनौती बन रहे हैं। भारत में रोजगार की गाड़ी कहां अटक गई है, इसकी पड़ताल भी जरूरी है। यह संसाधनों की कमी के चलते है या फिर रोजगार चाहने वालों में कौशल की कमी की वजह से। जो भी है सुशासन को इस आधार पर भी कसे जाने की परंपरा विगत कुछ वर्षों से देखी जा सकती है।

अर्थशास्त्री थॉमस रॉबर्ट माल्थस ने लिखा है कि प्रकृति की मेज सीमित संख्या में अतिथियों के लिए सजाई गई है, जो बिना बुलाए आएंगे, वे भूखे मरेंगे। हालांकि माल्थस का यह संदर्भ जनसंख्या और संसाधन से संबंधित है, मगर इसका रहस्य रोजगार और सुशासन से भी जुड़ा है। रोजगार सृजित किए जाते हैं और ये अवसर की समता से युक्त होते हैं, जबकि शासन ऐसे ही अवसर देने के चलते सुशासन की ओर होते हैं। जाहिर है, रोजगार और सुशासन का गहरा नाता है। माल्थस ही वे अर्थशास्त्री हैं जिन्होंने जनसंख्या और संसाधन के अनुपात में यह भी लिखा है कि जनसंख्या गुणोत्तर रूप में बढ़ती है और संसाधन समानांतर क्रम में। इससे यह भी समझने में मदद मिलती है कि आखिर बेरोजगारी क्यों पनपती है, साथ ही यही बेरोजगारी कई समस्याओं की जननी क्यों है। दुनिया भर में नई तकनीकों के चलते कई पेशे अपने अस्तित्व को खो रहे हैं और रोजगार के लिए चुनौती बन रहे हैं। भारत में रोजगार की गाड़ी कहां अटक गई है, इसकी पड़ताल भी जरूरी है। यह संसाधनों की कमी के चलते है या फिर रोजगार चाहने वालों में कौशल की कमी की वजह से। जो भी है सुशासन को इस आधार पर भी कसे जाने की परंपरा विगत कुछ वर्षों से देखी जा सकती है।

शासन तब सु अर्थात अच्छा होता है जब सामाजिक समस्याओं के निदान के लिए संसाधनों का समुचित वितरण और उसके बेहतरीन प्रबंधन में वह सफल हो। जब कोई सरकार अपने नागरिकों को आवश्यक सेवाएं प्रदान करने और उपजी समस्याओं का समाधान देती है, तब सुशासन होता है। देश में विकास के जहां नए-नए उपक्रम हैं, तो वहीं समस्याओं के अंबार भी देखे जा सकते हैं। इन्हीं में से एक बेरोजगारी है, जिसका सीधा असर एक अच्छे नागरिक के निर्माण पर पड़ता है। प्रासंगिक परिप्रेक्ष्य यह है कि रोजगार की राह कभी भी समतल नहीं रही और इसे बढ़ाने को लेकर हमेशा चिंता प्रकट की जाती रही है। तमाम कोशिशों के बावजूद रोजगार के मोर्चे पर खरे उतरने की कसौटी सरकारों के सामने बनी रही है। सर्वे बताते हैं कि शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी काफी खराब दशा में चली गई है। जब एनएसएसओ ने जनवरी 2019 में बेरोजगारी पर रिपोर्ट जारी कर बताया कि भारत में यह दर साढ़े चार दशक में सर्वाधिक है, तब सरकार की ओर से भी इस पर सवाल उठे थे। इतना ही नहीं, इसे झूठा भी करार दिया गया था और कहा गया कि ये अंतिम आंकड़े नहीं हैं। मई 2019 के बाद श्रम मंत्रालय ने जब बेरोजगारी के आंकड़े जारी किए तब इसके अनुसार भी देश में 2017-18 में बेरोजगारी दर 6.1 फीसद की बात सामने आई जो पैंतालीस साल में सबसे अधिक थी और सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनोमी (सीएमआइई) की 2 मार्च 2020 की जारी रिपोर्ट के मुताबिक फरवरी 2020 में बेरोजगारी की दर बढ़ कर 7.78 फीसद हो गई थी। इतना ही नहीं, कोविड-19 ने तो रही-सही कसर भी पूरी कर दी और पूरा देश बेरोजगारी के भंवर में फंस गया। पूर्णबंदी के दौरान तो बेरोजगारी दर 24.2 फीसद तक जा पहुंची थी। हालांकि कोरोना काल में आस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, जापान, हांगकांग, वियतनाम व चीन समेत मलेशिया जैसे देशों में सबसे अधिक युवा बेरोजगारी दर बढ़ी।

बेशक बेरोजगारी का उफान इस वक्त जोरों पर है, मगर सब कुछ बेहतर करने का प्रयास भी सरकार की ओर से जारी है। एक फरवरी 2021 को पेश बजट में सूक्ष्म, लघु और मझौले (एमएसएमई), विनिर्माण क्षेत्र और मेक इन इंडिया को बढ़ावा देकर रोजगार और अर्थव्यवस्था दोनों को मजबूत करने का प्रयास फिलहाल दिखता है। जहां तक सवाल मेक इन इंडिया का है, सरकार ने संकल्प लिया था कि साल 2025 तक विनिर्माण क्षेत्र का योगदान बढ़ा कर पच्चीस प्रतिशत तक लाया जाएगा। इस कार्यक्रम के जरिये भारत चीन और ताइवान जैसे विनिर्माण केंद्रों का भी अनुसरण कर रहा है। ऐसा करने से आयात में कमी आएगी, तकनीकी आधार विकसित होंगे और नौकरियों में इजाफा होगा। हालांकि इस कार्यक्रम में ढांचागत बाधाएं, जटिल श्रम कानून और नौकरशाही का संकुचित दृष्टिकोण भी कम बड़ी रुकावट नहीं है। विश्व बैंक के आंकड़ों पर नजर डालें तो स्पष्ट होता है कि भारत में कई वर्षों से अर्थव्यवस्था में उत्पादन क्षेत्र के योगदान में खास बदलाव नहीं आया है। जब बदलाव कमतर होगा तो रोजगार कमजोर होगा और बेरोजगारी बढ़ेगी। इसके उलट चीन, कोरिया और जापान जैसे अन्य एशियाई देशों में स्थिति कहीं अधिक बदलाव ले चुकी है और विनिर्माण क्षेत्र अलग रूप लिए हुए है। बेशक सरकार सत्ता के पुराने डिजाइन से बाहर निकल गई हो, मगर रोजगार के मामले में दावे और वायदे अभी भी दूर की कौड़ी हैं। देश युवाओं का है और रोजगार को लेकर यहां तुलनात्मक सक्रियता अधिक रहती है। मगर कौशल विकास की कमी के चलते भी बेरोजगारी चरम पर है। देश में कौशल विकास केंद्र भी अधिक नहीं हैं और जो हैं वे भी हांफ रहे हैं। भारत में कौशल विकास के पच्चीस हजार केंद्र हैं। जबकि चीन में ऐसे केंद्रों की संख्या लगभग पांच लाख हैं और दक्षिण कोरिया जैसे छोटे देश में एक लाख। सुशासन की बयार कैसे बहे और जीवन अच्छा कैसे रहे, यह लाख टके का सवाल है। सवाल आजादी के बाद से अब तक के रोजगारमूलक ढांचे का है। देश में पचास फीसद से अधिक आबादी खेती-किसानी से जुड़ी है। सभी जानते हैं कि यहां भी आमदनी का घटाव और रोजगार की सीमितता के चलते यह अस्तित्व के लिए खतरा पैदा कर देती है। बीते तीन दशकों में लाखों किसानों की आत्महत्या इस बात को पुख्ता करती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि सभी को सरकारी नौकरी नहीं मिल सकती और यह लगातार घट भी रही हैं। आठवीं पंचवर्षीय योजना जहां समावेशी विकास को लेकर आगे बढ़ रही थी, वहीं दसवीं पंचवर्षीय योजना में सरकारी नौकरियों में कटौती का सिलसिला देखा जा सकता है, जो अब कहीं अधिक आगे की बात हो गई है। जाहिर है ऐसे में स्वरोजगार एक बड़ा विकल्प है, पर इसके लिए भी आर्थिक सुशासन की आवश्यकता है।

संयुक्त राष्ट्र ने सुशासन को सहस्राब्दि विकास लक्ष्यों को एक अत्यावश्यक घटक माना है, क्योंकि सुशासन गरीबी, असमानता एवं मानव जाति की अनेक खामियों के खिलाफ संघर्ष के लिए एक आधार भूमि की रचना करता है। जाहिर है इसका आधारभूत ढांचा तभी मजबूत होगा जब युवाओं के हाथ में काम होगा। पिछले कुछ वर्षों के दौरान यह सुनने में आया है कि नौकरियां तो उपलब्ध हुई हैं, मगर कुशल लोगों की ही कमी है। इसलिए मानव श्रम को कुशल बनाने के लिए नए केंद्र खोलने होंगे। पैंसठ फीसद युवाओं वाले देश में शिक्षा और कौशल के स्तर पर रोजगार की उपलब्धता स्वयं ही बड़ी चुनौती है।

भारत सरकार के एक अनुमान के अनुसार साल 2022 तक चौबीस क्षेत्रों में ग्यारह करोड़ अतिरिक्त मानव संसाधन की जरूरत होगी। ऐसे में कुशल पेशेवरों की जरूरत होगी। दूसरा संकट यह है कि आज इंसानों की जगह मशीनें लेती जा रही हैं। इससे भी रोजगार घटा है। साल 2018 का एक सर्वेक्षण है जो भारत में औपचारिक क्षेत्र में रोजगार की संख्या छह करोड़ बताता है। इसके अलावा रक्षा क्षेत्र को छोड़ दिया जाए तो डेढ़ करोड़ लोग सरकारी सेवा में कार्यरत हैं। कुल मिला कर इस आंकड़े के हिसाब से साढ़े सात करोड़ लोग संगठित और औपचारिक क्षेत्रों में काम कर रहे हैं, जबकि असंगठित क्षेत्र में बेरोजगारी कसौटी में ही नहीं आ पा रही है। फिलहाल सरकार को चाहिए कि एक अदद नौकरी की तलाश करने वाले युवाओं के लिए रोजगार का रास्ता समतल बनाए।

दांडी मार्च

दांडी मार्च का भारत की आजादी पर प्रभाव

प्रहलाद सिंह पटेल

दांडी यात्रा के दौरान यह तय किया गया कि नमक कानून पर ही लोग अपनी शक्ति केंद्रित रखें और साथ ही यह चेतावनी भी दी गई कि गांधीजी के दांडी पंहुचकर नमक तोडने से पहले सविनय अवज्ञा शुरू नहीं की जाएगी। गांधी जी की अनुमति से सत्याग्रहियों के लिए एक प्रतिज्ञा पत्र बनाया गया।

भारत की आजादी में दांडी मार्च की खास अहमियत रही है। यही वजह है कि दांडी मार्च के आगाज के खास दिन को ही भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष के भव्य समारोह के शुभारंभ के लिए चुना गया। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में दांडी मार्च सबसे प्रभावशाली प्रतीकात्मक आन्दोलन रहा है । दांडी यात्रा के बाद की घटनाओं को हम देखें तो ब्रितानी हुकूमत की औपनिवेशिक सत्ता दबाव में आने लगी थी। इस आन्दोलन के माध्यम से महात्मा गाँधी ने एक बार फिर दुनिया को सत्य और अहिंसा की ताकत का परिचय कराया। भारत में नमक बनाने की परम्परा प्राचीन काल से रही है। परम्परागत ढंग से नमक बनाने का काम किसानों द्वारा किया जाता रहा है, जिसे नमक किसान भी कहा जाता था। बिहार और कई अन्य प्रान्तों में यह कार्य खास जाति के हवाले था। धीरे-धीरे नमक बनाने की तकनीक में सुधार आरंभ हुआ था लेकिन समय के साथ नमक जरूरत की वस्तु की बजाय व्यापार की वस्तु बनने लगा था। 2 मार्च 1930 को लार्ड इरविन को लिखे एक पत्र में गांधी जी कहते हैं, राजनीतिक दृष्टि से हमारी स्थिति गुलामों से अच्छी नहीं है, हमारी संस्कृति की जड़ ही खोखली कर दी गयी है। हमारा हथियार छीनकर हमारा सारा पौरुष अपहरण कर लिया गया है। इसी पत्र में वे आगे लिखते हैं, इस पत्र का हेतु कोई धमकी देना नहीं है। यह तो सत्याग्रही का साधारण और पवित्र कर्तव्य मात्र है। इसलिए मैं इसे भेज भी खासतौर पर एक ऐसे युवा अंग्रेज मित्र के हाथ रहा हूँ, जो भारतीय पक्ष का हिमायती है, जिसका अहिंसा पर पूर्ण विश्वास है और जिसे शायद विधाता ने इसी काम के लिए मेरे पास भेजा है। जिस अंग्रेज युवक का गांधीजी जिक्र कर रहे हैं उसका नाम रेजिनाल्ड रेनाल्ड था। यह युवक गांधीजी के साथ आश्रम में रह चुका था और गांधीजी की नीतियों में पूरा यकीन रखता था। लार्ड इरविन को पत्र लिखने के पीछे गांधीजी का उद्देश्य चेतावनी की बजाय सूचना देना था क्योंकि वे गरीबों के दृष्टि से इस कानून को सबसे अधिक अन्यायपूर्ण मानते थे। तय कार्यक्रम के अनुसार दिनांक 12 मार्च को साबरमती आश्रम से दांडी मार्च प्रारंभ हुआ। ठीक साढ़े छह बजे गांधीजी ने अपने 79 अनुयायियों के साथ आश्रम छोड़ा और मार्च आरंभ किया। दांडी तक की 241 मील की दूरी उन्होंने 24 दिन में पूरी की। इस दौरान गांधीजी जहां पर विश्राम करते थे, वहीं जनसमूह को सम्बोधित करते थे। उनके भाषणों ने लोगों में अंग्रेजों के जुल्म के विरूद्ध माहौल पैदा कर दिया था। दांडी यात्रा के दौरान यह तय किया गया कि नमक कानून पर ही लोग अपनी शक्ति केंद्रित रखें और साथ ही यह चेतावनी भी दी गई कि गांधीजी के दांडी पंहुचकर नमक तोडने से पहले सविनय अवज्ञा शुरू नहीं की जाएगी। गांधी जी की अनुमति से सत्याग्रहियों के लिए एक प्रतिज्ञा पत्र बनाया गया। इस पत्र की शर्तों में शामिल था कि मैं जेल जाने को तैयार हूं और इस आंदोलन में और जो भी कष्ट और सजाएं मुझे दी जाएंगी, उन्हें मैं सहर्ष सहन करूंगा। 4 अप्रैल 1930 को रात्रि में पदयात्रा ने दांडी में प्रवेश किया। 5 अप्रैल की प्रातः खादी धारण किए हुए सैकड़ों गांधीवादी सत्याग्रही दांडी तट पर एकत्र हुए। दांडी में प्रेस वार्ता भी आयोजित की गई। सरोजिनी नायडू, डॉ. सुमंत, अब्बास तैयबजी, मिट्ठूबेन पेटिट भी गांधीजी से मिलने आए। अपने संबोधन में गांधीजी ने अगले दिन सुबह नमक कानून तोड़ने की जानकारी दी। 6 अप्रैल को प्रातः दांडी तट पर नमक हाथ में लेकर गांधीजी ने नमक कानून तोड़ा। ब्रिटिश कानून के तहत उन्हें हिरासत में लिया गया। गिरफ्तारी से पूर्व गांधीजी ने अपना संदेश में कहा था, त्याग के बिना मिला हुआ स्वराज टिक नहीं सकता। अतः सम्भव है जनता को असीम बलिदान करना पड़े। सच्चे बलिदान में एक ही पक्ष को कष्ट झेलने पड़ते है, अर्थात बिना मारे मरना पड़ता है। दांडी यात्रा का वर्णन करते हुए लन्दन टेलीग्राफ के संवाददाता अश्मीद बार्टलेट ने लिखा था, कौन जाने यह घटना आगे चलकर ऐतिहासिक बन जाए? एक ईश्वर दूत की गिरफ्तारी कोई छोटी बात है? सच्चे-झूठे की भगवान जाने, परन्तु इसमें कोई शक नहीं, गांधी आज करोड़ों भारतीयों की दृष्टि में महात्मा और दिव्य पुरुष हैं।

भारत की आजादी का यह सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव था, जो दांडी यात्रा के बीज से निकला था। गांधीजी की दांडी यात्रा के साथ भारत भर में राष्ट्रीय चेतना की लहर चल पड़ी। भारत की स्वतंत्रता के लिए गांधी जी का दांडी मार्च आज भी मुश्किल वक्त में सही फैसला करने की राह दिखाता है और लोगों को त्याग की अहमियत समझाता है। यही वजह है कि करीब 91 साल बाद जब मैं उसी मिट्टी पर आजादी के 75 साल के अमृत उत्सव के मौके पर पदयात्रा करूंगा तब देश के हालात बदले हुए हैं। अब हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि भारत का सफर अब स्वावलंबन और स्वाभिमान के साथ तय होगा। हम दुनिया के सामने अब याचक नहीं होंगे। हमारी छवि अब दुनिया अपने केनवास पर दाता के रूप में बनाएगी। हमने विश्व में संकट के समय में दवा हो या वैक्सीन दूसरे देशों को अपना कुटुंबी मानकर पहुंचाई है। हम श्रम की भाषा इसलिए बोलना चाहते हैं कि हमारी आने वाली नस्ले दीनता की भाषा न बोलें। प्रधानमंत्री का कहना है कि देश जब आजादी का सौवां महोत्सव मनाएगा तो पूरी दुनिया के सामने हम एक ऐसा उदाहरण होंगे, जिसके विजय गीत दुनिया के हर आंगन में दोहराए जाएंगे और हमारी संस्कृति का वैभव गान हर दिल में होगा।

(लेखक- केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पर्यटन और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार है)

कविताप्त शिवरात्रि आई

शिवरात्रि आई, शिवरात्रि आई,
शिव जी के साथ पार्वती आई।
भक्तजन सभी मंदिर में आएंगे,
उनको फूल,धतूरा, शहद आदि का भोग लगाएंगे।
भोले भंडारी अपनी कृपा बरसाएंगे,
भक्तजन भोले से आशीर्वाद पाएंगे।
मंदिर में उनकी पूजा करने जाएंगे,
आज भोले बाबा को मनाएंगे।
आज मन बहुत हर्षाया है ,
शिव परिवार साथ में आया है।
हम करेंगे बहुत सी तैयारी,
शिवरात्रि का दिन है बहुत भारी।
मंदिर में जयकारे लगाएंगे।
ओम नमः शिवाय ,शिवजी सदा सहाय।
यह मंत्र बोले जाएंगे ।
भक्तजनों से शिव शंकर प्रसन्न हो जाएंगे।
भंडारे भी सभी किए जाएंगे,
भक्तजन झोली अपनी फैलाएंगे ।
मनचाहा वरदान भी सब पाएंगे ,
शिवरात्रि सब अच्छे से मनाएंगे ।

मोनिका महाजन मणि
(पठानकोट) पंजाब

कोरोना संघर्ष में पिछड़ा केरल

पिछले वर्ष 26 जनवरी को 20 वर्षीय मेडिकल छात्रा, घातक वायरस के 'ग्राउंड जीरो' वुहान से लौटी थी। वह पहली नागरिक थी, जिसे भारत में कोरोना संक्रमित पाया गया। उसे आम आबादी से अलग कर दिया गया और केरल के त्रिशूर में एक संक्रमण वार्ड में रखा गया। कई पर्यवेक्षकों ने राहत की सांस ली, क्योंकि केरल 2018 में ही ऐसे घातक वायरस से निपटने के लिए अच्छी तरह सुसज्जित हो गया था। केरल को 2018 में कोरोना से भी अधिक संक्रामक निपाह वायरस से निपटने का अनुभव हासिल था। भारत में उस मेडिकल छात्रा और उसके दो सहयोगियों को सघन निगरानी में रखा गया था। एक कमांड सेंटर स्थापित किया गया और हवाई अड्डों को भी सतर्क कर दिया गया। केरल ने ही राजस्थान को यह सूचना दी कि एक चीनी यात्री और उसके दो सहयोगी राजस्थान रवाना हुए हैं। खैर, फरवरी के तीसरे सप्ताह में केरल के तीन विद्यार्थी मरीजों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। केरल ने कोरोना वायरस को राज्य आपदा घोषित कर दिया था, पर जीत का संकेत देते हुए उसने अपनी वह घोषणा वापस ले ली थी। आज केरल सबका ध्यान खींच रहा है। आज जब शेष भारत वायरस के प्रसार को धीमा होते देख रहा है, तब भी केरल इस बीमारी से लड़ रहा है। विडंबना है कि वायरस के खिलाफ सबसे पहले युद्ध शुरू करने वाला राज्य आज रोज कोरोना मामलों में वृद्धि दर्ज कर रहा है। आज यह शीर्ष पांच सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्यों में से एक है। जनवरी 2021 के अंत तक केरल में रिपोर्ट किए गए कोरोना मामलों की कुल संख्या 9,17,630 थी। इनमें से 8,41,444 लोग ठीक हो चुके हैं और 3,704 की जान गई है। 29 जनवरी को राज्य ने 6,268 नए मामले दर्ज किए हैं और 2 फरवरी को 5,716 मामले। जब देश के बाकी राज्यों में एक हजार से भी कम मामले सामने आ रहे हैं, तब केरल में रोज 5000 से ज्यादा मरीज सामने आ रहे हैं। देश के 20 सबसे अधिक प्रभावित जिलों में से करीब एक दर्जन केरल में ही हैं। सवाल उठता है, आखिर केरल को क्या हो गया? जिसे एक समय नेतृत्व करने वाला राज्य माना जाता था, जहां बीमारियों का प्रबंधन भी उल्लेखनीय रहा, वहां कोरोना के नए मामले देश के अन्य राज्यों की तुलना में पांच गुना ज्यादा क्यों हैं? यह बताया गया है कि राज्य के अस्पतालों में 3,050 आईसीयू बेड हैं, जिनमें से अधिकांश भरे हुए हैं। कोविड-19 मामलों में एर्नाकुलम और कोझीकोड शीर्ष पर हैं।

केरल दरअसल कोरोना को चरम पर पहुंचने से रोकने के लिए कॉपी बुक के हिसाब से चला है। इसने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं कि अपने बुनियादी चिकित्सा ढांचे पर ज्यादा जोर डाले बिना भी रोगियों का इलाज हो सकता है। उन रोगियों के लिए गंभीर उपचार की जरूरत होती है, जिन्हें विशेष देखभाल के तहत रखा जाता है। यहां जमीनी स्तर पर लोगों की चिकित्सा देखभाल की गई, बिना चिकित्सा केंद्रों पर दबाव डाले हुए। केरल ने कोरोना मृत्यु-दर को भारत व विश्व की तुलना में काफी कम रखा है। फिर भी यह कोरोना संकट के प्रबंधन में कमी की वजह से आलोचना के निशाने पर है। केरल ने अपनी बड़ी प्रवासी आबादी का लौटना मंजूर किया और बड़े पैमाने पर लोग केरल लौटे भी। इसने शुरू में निजी अस्पतालों को उपचार करने की अनुमति नहीं दी, यह वैकल्पिक चिकित्सा प्रणालियों को उपचार में भाग लेने की मंजूरी देने के बारे में भी उत्साहित नहीं था। केरल ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं। फरवरी 2020 के अंत तक राज्य ने वायरस के खिलाफ अपनी पहली लड़ाई लगभग समाप्त घोषित कर दी थी, लेकिन 9 मार्च को उसे चेतावनी मिली, जब इटली से आए तीन परिवार के सदस्यों ने अपने यात्रा इतिहास को छिपाने की कोशिश की। उस समय इटली वायरस का कहर झेल रहा था। मार्च 2020 तक इस राज्य में सक्रिय कोरोना मामलों की संख्या 215 हो गई। राज्य तभी हाई अलर्ट पर चला गया और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा नेटवर्क का उपयोग वार्ड स्तर पर भी क्वारंटीन लोगों पर नजर रखने के लिए किया गया। अप्रैल के अंत तक कोरोना मामलों में कमी आने लगी व मामलों की दैनिक गिनती 10 से नीचे आ गई थी। वास्तव में, 30 अप्रैल को केवल दो नए मामले दर्ज किए गए थे। मई में भी दैनिक मामले कम दर्ज होते रहे, लेकिन संक्रमण ने फिर वापसी की। मई में केरल में 670 सक्रिय मामले थे, जो जून के अंत में 2,112, जुलाई के अंत में 10,495 और अक्तूबर के अंत में 91,190 दर्ज किए गए। इसके बाद संख्या घटने लगी और 30 दिसंबर, 2020 तक सक्रिय मामलों की संख्या गिरकर 65,202 हो गई, उस दिन 5,215 मामलों की पुष्टि हुई थी। लेकिन जैसा कि हम जानते हैं, जनवरी में राज्य का नुकसान फिर शुरू हो गया। वैसे तो केरल में मजबूत स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्था है, लेकिन राज्य में चार कारकों के चलते महामारी का प्रकोप बना रहता है, उच्च जनसंख्या घनत्व, बढ़ती बुजुर्ग आबादी, उच्च सह रुग्णता और प्रवास। केरल का जनसंख्या घनत्व 859 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है, जो राष्ट्रीय औसत से दोगुना है। वरिष्ठ नागरिक राज्य की कुल आबादी का 16 प्रतिशत हैं, यह राष्ट्रीय औसत से अधिक है। अनुमान है कि केरल में 48 लाख लोग 60 की उम्र पार कर चुके हैं। इनमें से भी 15 प्रतिशत 80 से अधिक उम्र के हैं। केरल को देश की मधुमेह राजधानी माना जाता है, जहां 27 प्रतिशत आबादी इस बीमारी की चपेट में है, जबकि राष्ट्रीय औसत 17 के आसपास है। यहां हृदय संबंधी बीमारियों, उच्च रक्तचाप आदि की उच्च दर है। ऐसी बीमारियों के कारण 30 से 59 की उम्र तक के 52 प्रतिशत लोगों की मृत्यु हो जाती है, जबकि राष्ट्रीय आंकड़ा 42 प्रतिशत है। केरल के लोग खूब यात्राएं करते हैं और यहां के करीब 21 लाख लोग विदेश रहते हैं। केरल में 24 प्रतिशत घरों में से कोई न कोई प्रवासी है। ये सभी कारण केरल को कमजोर बनाते हैं और इन तमाम बाधाओं के बावजूद केरल मृत्यु दर को सबसे कम रखने में कामयाब रहा है। विडंबना यह है कि स्वास्थ्य देखभाल में यह राज्य अग्रणी है और सर्वश्रेष्ठ सामाजिक संकेतकों का आनंद लेता है। इससे पता चलता है कि हम कोरोना वायरस के बारे में कितना जानते हैं!

बोल्ड ड्रेस में एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं नोरा फतेही

दिलबर- दिलबर गाने पर जबरदस्त डांस फॉर्म करके बॉलीवुड में अपनी एक खास पहचना बनाने वाली बॉलीववुड एक्ट्रेस नोरा फतेही अकसर सोशल मीडिया पर अपने डांस वीडिय शेयर कर सुर्खियां बटोरती हैं। हालांकि इस बार नोरा अपनी डांस की वजह से नहीं बल्कि अपने फैशन सेंस की वजह से खबरों में हैं। एक तरफ जहां सोशल मीडिया पर लोग उनकी खूबसूरती और उनके फैशन सेंस की तारीफ कर रहे हैं तो दूसरी ओर कुछ लोग उनके बोल्ड ड्रेस की वजह से उन्हें ट्रोल करते हुए उन्हें नसीहत दे रहे हैं। तो चलिए जानते हैं आखिर माजरा क्या है।

दरअसल, नोरा फतेही को आज मुंबई इंटरनैशनल एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। इस दौरान नोरा अपने एयरपोर्ट लुक में बेहद बोल्ड नजर आईं। एयरपोर्ट के एग्जिट गेट पर नोरा वाइट कलर की टाइट स्कर्ट और डिप नेक क्रॉप टॉप में दिखीं। अपने ड्रेस में नोरा बेहद बोल्ड दिखाई दे रही हैं। आप देख सकते हैं कि अपने स्टाइलिश लुक में उन्होंने अपने जैकेट को अपने कंधे पर डाल रखा है। इस दौरान वह मैचिंग फुटवियर और मैचिंग बैग कैरी कर रखा है। आंखों पर गॉगल लगाए और चेहरे पर मॉस्क लगाए नोरा ने अपने एयरपोर्ट लुक को पूरा किया है।

अपने इस स्टाइल में नोहा ग्लैमरस लग रही हैं। वीडियो में आप देख सकते हैं कि नोरा को देखकर एयरपोर्ट पर मौजूद सभी की निगाहें एक्ट्रेस की खूबसूरती जा टिकी है। वीडियो में नोरा कैमरे के सामने पोज देते हुए दिख रही हैं। जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। नोरा की इस वीडियो को बॉलीवुड कैमरामैन वरिंदर चावला ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। नोरा के इस वीडियो को देखकर उनके फैन्स उनकी स्टाइल की जमकर तारीफ कर रहे हैं तो कई ऐसे यूजर्स हैं जो नोरा की बोल्ड ड्रेस को देख कर वरिंदर चावला के इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस को ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने एक्ट्रेस को नसीहत देते हुए कहा कि पब्लिक प्लेस पर ऐसे बोल्ड कपड़े पहनने में सावधानी बर्तनी चाहिए। एक और यूजर ने लिखा है कि शरीर के अंगों को ऐसे एक्सपोज करना फैशन नहीं है यह अश्लीलता है। वहीं एक ने लिखा है कि मैं आपका फैन हूं । आप भले ही खूबसूरत लग रही हैं लेकिन सार्वजनिक जगहों पर बोल्ड ड्रेस कैरी करने से बचें।

ईमानदार वो है, जिसकी बेईमानी पकड़ी नहीं गई अमिताभ बच्चन और इमरान हाशमी की चेहरे

बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन और इमरान हाशमी की फिल्म चेहरे का टीजर रिलीज हो गया है। फिल्म का टीजर दमदार डायलॉग्स से भरपूर है। चेहरे मिस्ट्री-थ्रिलर फिल्म है, जिसका टीजर सोशल मीडिया यूजर्स द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। टीजर की शुरूआत में अनु कपूर की आवाज सुनाई देती है। अनु कपूर कहते हैं, इस दुनिया में कोई भी बंदा ऐसा नहीं है, जिसने अपनी लाइफ में कोई अपराध न किया हो। अनु कपूर के बाद इमरान हाशमी की आवाज आती है और वो कहते हैं, आज ईमानदार वो है, जिसकी बेईमानी पकड़ी नहीं गई और बेगुनाह वो है, जिसका जुर्म पकड़ा न गया हो। इमरान हाशमी और अनु कपूर के बाद टीजर के आखिर में सुनाई देती है अमिताभ बच्चन की आवाज। अमिताभ जस्टसि सिस्टम पर अपनी बात रखते हुए कहते हैं, हमारी अदालतों में जस्टसि नहीं, जजमेंट होता है। इंसाफ नहीं, फैसला होता है। टीजर के ये तीनों ही डायलॉग्स काफी दमदार हैं। जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म में कई दमदार डायलॉग्स सुनने को मिलेंगे। बता दें कि फिल्म चेहरे की रिलीज को लेकर लंबे वक्त से इतंजार किया जा रहा है। फिल्म की अलग अलग तारीखें सामने आ चुकी हैं। वहीं पहले फिल्म 30 अप्रैल को रिलीज होनी थी, लेकिन अब एक बार फिर फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव किया गया है। गौरतलब है कि अब फिल्म 9 अप्रैल को रिलीज होगी।

बिकिनी में दिखीं अनिल कपूर की छोटी बेटी रिया कपूर

बॉलीवुड एक्टर अनिल कपूर की छोटी बेटी और एक्ट्रेस सोनम कपूर की छोटी बहन रिया कपूर इमलाइट से दूर रहना पसंद हैं हालांकि वह भी बाकी स्टार किड्स की तरह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। इन्हीं सब के बीच रिया कपूर ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी बिकिनी फोटो शेयर की हैं। अपनी बिकिनी फोटो शेयर करते हुए उन्होंने बताया है कि वह कभी मोटी थीं। हालांकि वह कैसी हैं ये उनकी फोटो में साफ देखा जा सकता है। रिया के पोस्ट करते हुए उनकी ये फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। रिया अपनी बिकिनी फोटो शेयर करते हुए रिया लिखती हैं कि मुझे लगा कि मैं मोटी थी। हम अपने आप से कभी नहीं जीत सकेंगे क्या लेकिन हम कोशिश कर सकते हैं। जैसे टीना फे कहती हैं, यदि आप और कुछ नहीं रखते हैं, तो हमेशा सुंदरता के सबसे महत्वपूर्ण नियम को याद रखें, जो है: कौन परवाह करता है । इस कैप्शन के साथ रिया ने लाफिंग इमोजी शेयर किया है।

रिया के कैप्शन से लग रहा है कि यह फोटो उनकी थ्रोबैक फोटो है। जिसपर उनके चाहने वाले लगातार कमेंट कर उनकी कर्वी बॉडी की तारीफ कर रहे हैं और ये कह रहे हैं कि आप बिल्कुल भी मोटी नहीं थीं। आप बहुत ही खूबसूरत हैं। ग्रे कलर की हॉट बिकिनी में वाकई में रिया बहुत ही प्यारी लग रही हैं । अब रिया प्रोफेशन के बारें में बात करें तो आपको बता दें कि पेश से रिया एक प्रोडयूस होने के साथ-साथ एक फैशन डिजाइनर भी है। रिया कपूर ने अपने करियर की शुरूआत फिल्म वेकअप सिड से की थी। रिया ने साल 2010 में अपनी बड़ी बहन सोनम कपूर और अभय देवल की फिल्म आइशा को प्रोडयूस किया था। इस फिल्म के बाद वह खूबसूरत और वीरे दी वेडिंग जैसी फिल्मों का निर्माण किया है। खबरों की मानें को रिया कपूर काफी समय करण बूलानी के साथ रिलेशन में हैं। रिया और करण पिछले 10 सालों से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों को अक्सर साथ वक्त बिताते देखा जाता है। रिया और करण का रिलेशन बेहद खूबसूरत है। आए दिनों दोनों सोशल मीडिया पर एक दूसरे के साथ रोमांटिक तस्वीरें शेयर करते हैं। बता दें कि

निया शर्मा ने बीच सड़क पर गाड़ी रोक किया डांस

एक्ट्रेस निया शर्मा हमेशा अपनी ग्लैमरस फोटो और वीडियो की वजह से सुर्खियों में छाई रहती हैं। सोशल मीडिया पर एक्टिव निया ने एक बार फिर से अपनी लेटेस्ट वीडियो से इंटरनेट पर आग लगा दी है। वीडियो में निया आधी रात को सुनसान सड़क पर डांस करते हुए दिख रही हैं। इस वीडियो में वह अपनी दोस्त के संग नजर आ रही हैं। वीडियो में निया और उनकी दोस्त ब्लैक कलर के आउटफिट में अपना ग्लैमरस अंदाज दिखाती हुई दिख रही हैं। वीडियो में आप देख सकते हैं कि दोनों इंग्लिश गाने डांस कर रही हैं। वीडियो में केवल स्ट्रीट लाइट जल रही है और दोनों की गाड़ी बीच सड़क पर पार्क दिखाई दे रही है। निया शर्मा इस वीडियो में काफी खूबसूरत लग रही हैं। वीडियो की शुरूआत में निया पहले कैटवॉक करती हैं फिर अपने कातिलाना डांस मूव्स से सभी का दिल जीत लेती हैं। निया की वीडियो आए दिन वायरल होती रहती हैं। निया के हॉटनेस ने पहले भी खूब हंगामा मचाया है। इससे पहले वह स्विमिंग पूल के किनारे आधी रात को कैटवॉक करते हुए अपना वीडियो शेयर किया था। जो लोगों को खूब पसंद आया था। निया के करियर की बात करें तो निया ने टीवी की दुनिया में सीरियल काली के जरिए कदम रखा था। इसके बाद निया शर्मा सीरियल एक हजारों में मेर बहना है में दिखाई दी थीं, जिससे उन्होंने खूब लोकप्रियता भी हासिल की। निया शर्मा ने जमाई राजा में रवि दुबे के साथ मुख्य भूमिका अदा की, जिसने लोगों का दिल जीतने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। हाल ही में निया शर्मा खतरों के खिलाड़ी की विजेता बनी थीं। आखिरी बार निया शर्मा को टीवी शो नागिन में देखा गया था। निया इन दिनों वेब शो जमाई राजा 2.0 को लेकर जबरदस्त चर्चा में हैं। इस वेब शो में वह एक बार फिर से रवि दुबे के संग दिखाई देने वाली हैं। इस बार इस शो में निया काफी बोल्ड और इंटिमेट किसिंग सीन देते हुए दिखाई देने वाली हैं।

करण सिंह ग्रोवर ने पत्नी बिपाशा बसु के साथ साझा किया कुबूल है क्षण!

जी5 जल्द ही अपनी बहुप्रतीक्षित सीरीज कुबूल है 2.0 के प्रीमियर के लिए तैयार है। ओटीटी रिलीज के लिए कुछ सबसे प्रतिष्ठित जी टीवी शो को डिजिटल स्पिन ऑफ के रूप में रिलीज करने की पहल को प्रशंसकों द्वारा खूब सराहा और पसंद किया जा रहा है। कुबूल है 2.0 पहले से ही प्रशंसकों की पसंदीदा बन गई है और हाल ही में रिलीज किये गए टीजर ने इंटरनेट पर जबरदस्त चर्चा पैदा कर दी है। बेलग्रेड में फिल्माई गयी, असद और जोया एक नए अवतार में एक साथ वापस आने के लिए तैयार हैं। वही, शो के प्रमुख अभिनेता करण सिंह ग्रोवर ने अपनी रियल वाइफ बिपाशा बसु के साथ अपना कुबूल है क्षण साझा किया है। उन्होंने कहा, दरअसल, कुबूल है के दो प्रकार हैं। एक जो हर रोज का मोमेंट होता है, जहां वह जब भी कुछ कहती हैं तो भले ही मैं शुरूआत में उसके लिए हामी ना भरूं, लेकिन फिर मैं कहता हूं, कुबूल है। क्योंकि आप जानते हैं कि पत्नी हमेशा सही होती है। और उनके साथ मेरा दूसरा कुबूल है क्षण तब था जब मैंने उन्हें प्रोपोज किया था, जहां उन्होंने हां या नहीं कहा था, उन्होंने ठीक है कहा था। अंकुश मोहला और ग्लेन बैरेटो द्वारा निर्देशित, सीरीज में असद और जोया नए अवतार में नजर आएंगे, जिसमें करन सिंह ग्रोवर और सुरभि ज्योति की ओरिजनल जोड़ी एक बार फिर दर्शकों से मुखातिब होगी। इसमें निर्णायक भूमिकाओं में आरिफ जकारिया और मंदिरा बेदी दिखाई देंगी। कुबूल है 2.0 का प्रीमियर 12 मार्च 2021 को जी5 पर होगा।

रुबीना दिलैक ने मीडिया को किया था अनदेखा

बीते हफ्ते अभिनेत्री रुबीना दिलैक खूब चर्चा में रही थीं, जिसकी वजह था उनका वायरल वीडियो। इस वीडियो में रुबीना मीडिया को अनदेखा करती नजर आ रही थीं, जिसके बाद वो सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल हुई थीं। लेकिन अब आखिरकार एक बड़ी वजह सामने आई है, जिस वजह से रुबीना मीडिया को इग्नोर करती दिखाई दी थीं।

दरअसल बीते हफ्ते मुंबई एयरपोर्ट पर रुबीना दिलैक नजर आई थीं। वीडियो में दिख रहा था कि रुबीना मीडिया को इग्नोर कर रही हैं। वहीं जब पैपराजी रुबीना से पूछता है- मैम नाराज हो क्या। तो भी रुबीना कुछ नहीं कहती हैं और आगे चल देती हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद रुबीना सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल हुई थीं। कुछ यूजर्स ने तो यहां तक कह दिया था कि रुबीना के सिर पर बिग बॉस जीतने का घमंड चढ़ गया है।

हाल ही में रुबीना ने एंडी कुमार के साथ बातचीत में बताया कि जो वीडियो वायरल हुआ, उससे ठीक पहले उन्हें अपनी बुआ की मौत की खबर मिली थी और वे शॉक में थीं। इस वजह से वो किसी से भी बात करने की हालत में नहीं थीं।

रुबीना ने कहा- सभी जानते हैं कि मैं चंडीगढ़ में शूटिंग कर रही थी। वहां मेरे परिवार के लोग रहते हैं। मेरे पिता की बहनें और भाई चंडीगढ़ में हैं। रुबीना ने आगे कहा- जब मैं बिग बॉस के घर में थी, तब जनवरी में मेरी एक बुआ की हार्ट अटैक से मौत हो गई। मेरे परिजनों ने मुझे इस बारे में नहीं बताया था। जब मैंने शो जीत लिया, तब भी मेरे परिवार ने ये बात मुझसे छिपाए रखी। मेरी दादी नहीं चाहती थीं कि मैं बहुत दुखी हो जाऊं और टूट जाऊं। बातचीत में रुबीना ने आगे कहा- जब मैंने अपने परिवार को बताया कि मेरी चंडीगढ़ में शूटिंग होने वाली है, तब मेरे परिवार ने बुआ की मौत की खबर मुझे दी।

दरअसल, मेरे चाचा और बुआ का परिवार मुझसे उस तरह से बात नहीं कर रहा था, जैसे वो पहले करता रहता था। मुझे लगा कि मैं बिजी हूं इसलिए ये लोग ज्यादा बातचीत नहीं कर रहे हैं। पर मेरी दादी ने सभी को मना कर रखा था।

प्रेग्नेंसी की झूठी खबर पर भड़कीं गौहर खान ट्वीट कर बोलीं- तुम्हारा दिमाग खराब है...

एक्ट्रेस गौहर खान ने इस समय एक तरफ जहां मुश्किल दौर से गुजर रही हैं वहीं दूसरी ओर वह अपनी प्रेग्नेंसी की अफवाहों को लेकर वह काफी गुस्से में हैं। प्रेग्नेंसी की अफवाहों को लेकर वह इतनी अग्रेसिव हो गई हैं कि उन्होंने ट्विटर पर अपना गुस्सा जाहिर किया है। गौहर खान ने इस जरिए अपनी प्रेग्नेंसी की खबर को बकवास बताया है और सेंसेटिव बनने की भी सलाह दी है। गौहर का यह ट्वीट वायरल हो रहा है।

गौहर ने ट्वीट करते हुए लिखा, तुम्हारा दिमाग खराब है! और फैक्ट्स भी। 12 साल छोटे वाली गलत न्यूज हुई पुरानी, कुछ भी टाइप करने से पहले अपने फैक्ट्स चेक करो! मैंने अभी अभी अपने पिता को खोया है, इसलिए अपनी फालतू की रिपोर्ट को लेकर थोड़ा संवेदनशील बनो...मैं प्रेग्नेंट नहीं हूं...थैंक यू वेरी मच।

गौरतलब है कि गौहर खान इस वक्त जिंदगी के सबसे मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। उनके पिता का बीते 5 फरवरी को निधन हो गया है। ऐसे में वह प्रेग्नेंसी की अफवाह और भी परेशान हो गई थी। इसलिए एक्ट्रेस ने इस मामले को यहीं पर खत्म करने के इरादे से ट्वीट किया है। हाल ही में गौहर के पति जैद दरबार ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया था। उन्होंने इस वीडियो में कैप्शन में लिखा, कंफर्म है कि हमारे साथ एक नया अतरंगज जुड़ा है। इनके रिएक्शन से क्या लग रहा है कौन हो सकता है, कमेंट में बताओ... जैद के इस पोस्ट के बाद उनके फैंस इस पोस्ट पर कमेंट करते नजर आए। वहीं यूजर्स ने गौहर खान की प्रेग्नेंसी को लेकर सवाल करने लगे थे।

गौहर खान की शादी

गौहर खान ने म्यूजिक डायरेक्टर इस्माइल दरबार के बेटे जैद दरबार बीते साल शादी की थीं। जैद खुद भी म्यूजिशयिन हैं। जैद और गौहर में 12 साल की उम्र का अंतर है। दोनों लंबे समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। ये दोनों सोशल मीडिया पर अकसर अपनी फोटो और वीडियो शेयर एक दूसरे से प्यार जताते रहते हैं।

मिया खलीफा ने शेयर की ग्लैमरस तस्वीर

लेबनानी-अमेरिकी पूर्व एडल्ट स्टार मिया खलीफा अपनी नवीनतम इंस्टाग्राम तस्वीर में बेहद ग्लैमरस अंदाज में दिखाई दे रही हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर तस्वीर में अभिनेत्री पीले रंग की ड्रेस में दिखाई दे रही हैं। उन्होंने तस्वीर को कैप्शन देते हुए लिखा, डैम, आई लुक मीन। शेयर तस्वीर को अब तक 7 लाख 70 हजार से अधिक लाइक्स मिल चुके हैं। पिछले महीने, भारतीय किसानों के विरोध प्रदर्शन के समर्थन में मिया खलीफा ने कई ट्वीट किए थे, जिसके चलते उन्हें सत्ता समर्थकों के विरोध का

महाशिवरात्रि पर आज कुंभ का पहला शाही स्नान, लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई डुबकी

महाशिवरात्रि : उमड़ा श्रद्धालुओं का सागर

हरिद्वार ■ एजेंसी

महाशिवरात्रि के अवसर पर गुरुवार को हरिद्वार में कुंभ का पहला स्नान शुरू हो गया. तड़के से ही हर की पैड़ी पर तीर्थ यात्रियों की भीड़ लगी थी और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाई और भगवान शंकर का जलाभिषेक किया. इस अवसर पर लोगों ने दान-पुण्य भी किया। महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का माता पार्वती से विवाह हुआ था। तड़के से ही हर की पैड़ी पर ब्रह्म मुहूर्त में लोगों ने गंगा में डुबकी लगानी शुरू कर दी थी। गुरुवार सुबह 11:00 बजे से हर की पैड़ी पर ब्रह्मकुंड में महाशिवरात्रि का पहला शाही स्नान पर्व होगा जो साथ दशनामी संन्यासी अखाड़े करेंगे। इसलिए प्रशासन ने सुबह आठ बजे तक की बड़ी ब्रह्मकुंड क्षेत्र में आम श्रद्धालुओं के लिए ईशान करने की व्यवस्था रखी है। 8:00 बजे के बाद इस क्षेत्र में आम श्रद्धालु गंगा स्नान नहीं कर सकेंगे। वे अन्य घाटों में गंगा स्नान करेंगे. सुबह 11:00 बजे से लेकर शाम 6:30 बजे तक दसनाम नागा संन्यासी अखाड़ों के साधु-संत संग महामंडलेश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्नान करेंगे। सबसे पहले हर की पैड़ी पर सुबह 11 बजे श्री पंच दशनाम, जूना अखाड़ा, आह्वान अखाड़ा और अग्नि अखाड़ा के साधु-संत स्नान करेंगे। उसके बाद श्री पंचायती निरंजनी अखाड़ा, आनंद अखाड़ा और उसके बाद आखिर में श्री पंचायती महानिवार्णी अखाड़ा और श्री अटल पंचायती अखाड़ा आखिर में हर की पैड़ी में गंगा स्नान करेंगे। सुबह 9 बजे जूना अखाड़ा के नागा साधु अपने अखाड़े से हर की पैड़ी गंगा स्नान के लिये निकलेंगे।

22 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किया स्नान

हरिद्वार में आज 11 मार्च को महाशिव रात्रि व 12 मार्च को सोमवती अमावस्या पर शाही स्नान है। महाशिवरात्रि के मौके पर महाकुंभ के पहले शाही स्नान में लाखों की तादाद में श्रद्धालु हरिद्वार में पवित्र गंगा नदी में डुबकी लगाई। आईजी कुंभ मेला संजुय गुंज्याल ने बताया कि अबतक 22 लाख से ज्यादा श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। अब 'हर की पौड़ी' को खाली कराया जा रहा है क्योंकि अखाड़े शाही स्ना के लिए आने की तैयारी कर रहे हैं.इससे पहले बुधवार को सीएम पद संभालते हुए मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने अधिकारियों को पहले शाही स्नान में श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री रावत ने कहा कि जरूरी सावधानियों का पालन करते हुए यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने कहा, "आगंतुक श्रद्धालु गंगा जी में सुविधापूर्वक स्नान कर सकें। संतों का सम्मान सबसे ऊपर है। कुम्भ की दिव्यता और भव्यता सुनिश्चित की जाए।" उत्तराखंड के मुख्य सचिव ओम प्रकाश ने अपने आदेश में कहा है कि हरिद्वार कुंभ में 11 और 12 मार्च को शाही स्नान के अवसर पर कोरोना एसओपी लागू रहेगी। कुंभ मेला अधिकारी को इसका सख्ती से पालन करने के निर्देश दिये गये हैं। वहीं हरिद्वार में शाही स्नान के दौरान साधु संतों की थर्मल स्क्रीनिंग और रैंडम एंटीजन कोविड जांच नहीं की जाएगी। हरकी पैड़ी में संतों की देखरेख के लिए मेडिकल टीम तैनात रहेगी। वहीं दूसरी ओर अन्य श्रद्धालुओं की रैंडम जांच के लिए 50 टीमें तैनात रहेंगी।

उइगर मुस्लिमों के लिए आगे आया अमेरिका, चीन से अब होगी सख्ती से बात

वॉशिंगटन ■ एजेंसी

लंबे समय के बाद चीन के साथ अमेरिका की 18 मार्च को अलास्का के एंकोरेज में आमने-सामने वार्ता होगी। अमेरिका ने स्पष्ट कर दिया है कि वह उइगरों के नरसंहार पर चीन के साथ सख्ती से बात करेगा। वार्ता में ताइवान, तिब्बत, हांगकांग और दक्षिण चीन सागर जैसे कई मुद्दों पर ड्रैगन से स्थिति साफ करने के लिए कहा जाएगा।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलीवान अपने समकक्ष अधिकारियों के साथ इस वार्ता में भाग लेंगे। चीन की तरफ से शीर्ष राजनयिक यांग जीची और स्टेट काउंसिल वांग यी बैठक में भाग लेंगे।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन ने कहा है कि अलास्का में होने जा रही वार्ता में शिनजियांग के उइगर मुस्लिमों के नरसंहार मामले में पूरी सख्ती के साथ वार्ता की जाएगी। यह आश्वासन उन्होंने अमेरिकी संसद में दिया। साथ ही कहा कि चीन यदि नरसंहार की बात से इन्कार करता है तो उससे संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को वहां पर प्रवेश की अनुमति देने के लिए कहा जाएगा।

वैक्सीन डिप्लोमेसी पर ठोस निर्णय लेने की होगी मांग: चीन के विदेश मंत्रालय ने वार्ता होने की पुष्टि की है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजान ने कहा कि अमेरिका से होने वाली वार्ता अच्छे माहौल में और लंबे संबंध बनाने में सहायक होगी। साथ ही अमेरिका को चीन के हितों, सुरक्षा और संप्रभुता को समझने में मदद मिलेगी।

ज्ञात हो कि पिछले दस सालों में विश्व की इन दो बड़ी शक्तियों के बीच संबंधों में विभिन्न मुद्दों को लेकर तनाव की स्थितियां काफी आगे बढ़ चुकी हैं।

तिब्बती संस्कृति को खत्म करने में जुटा चीन : अमेरिकी संसद की स्पीकर नैंसी पेलोसी ने तिब्बत की 62 वीं सालगिरह पर कहा कि चीन दशकों से तिब्बत के इतिहास और समृद्ध संस्कृति को मिटाने में लगा हुआ है। अमेरिका पूरी तरह से तिब्बती जनता के साथ है, जो अपने अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए लड़ रहे हैं।

चीन के सैन्यीकरण के खिलाफ अमेरिकी सीनेट में प्रस्ताव: दक्षिण चीन सागर में लगातार सैन्यीकरण को लेकर अमेरिकी सीनेट में प्रस्ताव लाया गया है। प्रस्ताव में सीधे तौर पर चीन को चेतावनी दी गई है। अमेरिकी सांसद रिक स्कॉट, जोश हाले, डेन सुलीवान, थोम टिल्स और रोजर विकर ने इस प्रस्ताव में कहा है कि चीन समुद्र में लगातार सीमा का अतिक्रमण करने के लिए सेना की ताकत दिखा रहा है। इसके साथ ही वह अमेरिका के व्यापारिक हितों को चोट पहुंचा रहा है।

पीएम मोदी की मोहम्मद बिन सलमान से हुई व्यापार-निवेश को लेकर बात, प्रिंस को भारत आने का निमंत्रण

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

भारत के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को भारतीय प्रधानमंत्री की सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ हुई बातचीत के बारे में बताया। मंत्रालय ने बताया, 'पीएम नरेंद्र मोदी ने आज सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। पीएम ने क्राउन प्रिंस को भारत आने के लिए अपने निमंत्रण को दोहराया।' विदेश मंत्रालय ने पीएम मोदी और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बीच टेलीफोन पर हुई बातचीत पर प्रकाश डाला। बताया गया कि दोनों नेताओं ने 2019 में स्थापित द्विपक्षीय रणनीतिक भागीदारी परिषद के कामकाज की समीक्षा की और भारत-सऊदी साझेदारी में लगातार वृद्धि के बारे में संतोष व्यक्त किया। मंत्रालय के मुताबिक, 'पीएम ने दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश का और विस्तार करने की इच्छा व्यक्त की और उन अवसरों पर प्रकाश डाला जो भारतीय अर्थव्यवस्था सऊदी निवेशकों को प्रदान करती है। उन्होंने पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विकास की भी समीक्षा की।'

मॉडल पर हमला करने वाला जोमेटो का डिलीवरी ब्वॉय हुआ गिरफ्तार

ऑर्डर कैंसिल करने पर मारा था घूंसा

बेंगलुरु ■ एजेंसी

बेंगलुरु में ऑर्डर कैंसिल करने पर महिला पर हमला करने वाले डिलिवरी बॉय को गिरफ्तार कर लिया है। बेंगलुरु डीएसपी ने इसकी पुष्टि की है। ये घटना मंगलवार रात की है। मॉडल और मेकअप आर्टिस्ट हितेशा चंद्रानी को मंगलवार को बहुत बुरे अनुभव से गुजरना पड़ा। खाना मंगवाने के लिए जोमेटो पर दिए ऑर्डर को रद करने के बदले उन्हें बदतमीजी झेलनी पड़ी और चेहरे पर घूंसा खाना पड़ गया। इसके चलते हितेशा की नाक की हड्डी टूट गई है।

कैसे हुई घटना ?

हुआ यूं कि हितेशा ने जोमेटो की साइट पर जाकर दोपहर के खाने का ऑर्डर दिया था। जब खाना आने में देर हुई तो उन्होंने साइट के कस्टमर केयर पर जाकर उससे देरी के चलते ऑर्डर कैंसिल करने के लिए कहा। इसी बातचीत के दौरान ही जोमेटो का डिलिवरी ब्वॉय कामराज वहां आ गया। हितेशा ने जब उससे खाना वापस ले जाने के लिए कहा, तो वह भड़क उठा। कहा, वह क्या गुलाम है जो इस तरह बेवजह दौड़भाग करेगा। मॉडल ने जब अपने फ्लैट का दरवाजा बंद करना चाहा तो कामराज धक्का देकर भीतर घुस आया। उसने खाने का पैकेट वापस ले जाने से इन्कार कर दिया। थोड़ी हील-हुज्जत के बाद कामराज ने हितेशा के चेहरे पर घूंसा जड़ दिया। जब हितेशा चिल्लाई तो कामराज भाग खड़ा हुआ। बाद में हितेशा ने आपबीती बताता अपना वीडियो ट्विटर और इंस्टाग्राम पर डाल दिया.कुछ ही देर में यह वीडियो साइट्स पर वायरल हो गया। वीडियो में हितेशा ने बताया कि डिलिवरी ब्वॉय के हमले में उनके नाक की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया है और नाक से रह-रहकर खून बह रहा है। जोमेटो ने कहा है कि वह मामले की पुलिस जांच में सहयोग कर रहा है। साथ ही पीड़ित महिला को चिकित्सकीय सहायता के लिए कार्य कर रहा है। जोमेटो ने हितेशा को अपने साथ हुई घटना के बारे में बताने के लिए आभार जताया है। इंटरनेट मीडिया पर महिला की इस वीडियो के वायरल होते ही जोमेटो कंपनी की तरफ से बयान आया है। कंपनी ने इस घटना के लिए पीड़ित महिला से माफी मांगी है। आपको बता दें, इंटरनेट मीडिया पर इस वीडियो के सामने आते ही लोग हैरान तो हैं ही साथ ही डिलिवरी ब्वॉय के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

बिहार पंचायत चुनाव में जिंदा ही नहीं मुर्दे भी डालेंगे वोट!

सुपौल। बिहार में इस बार पंचायत चुनाव काफी दिलचस्प होने वाला है। इस बार जीवित ही नहीं मृतक भी अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। यह चुनाव के लिये बनी मतदाता सूची बता रही है। दरअसल मतदाता सूची में सालों पहले मर चुके लोगों का भी नाम दिया गया है। सूची जारी होने के बाद यह चर्चा का विषय बना हुआ है। मामला सुपौल जिले के सदर प्रखंड के बैरिया वार्ड 12 का है। यहां की मतदाता सूची में कई ऐसे ग्रामीणों का नाम शामिल है जिनकी मौत हो चुकी है। मृत मतदाताओं में परमेश्वर राम, दुलारी देवी, सिया देवी और जागेश्वर पोद्दार शामिल हैं। मृतकों के मतदाता सूची में नाम आने के बाद उनके परिजन हैरान हैं। परमेश्वर राम और दुलारी देवी के पुत्र दिनेश राम ने बताया वह उनके माता-पिता करीब तीन साल पहले गुजर चुके हैं। अब तो राशन कार्ड से भी उनका नाम हट गया लेकिन पता नहीं कैसे चुनाव के लिये जारी मतदाता सूची में उनका नाम दे दिया गया हैं। जागेश्वर पोद्दार के परिजन शिवजी कुमार ने बताया कि उनके दादा की करीब पांच साल पहले मौत हो चुकी है। जिला प्रशासन की ओर से उनके नाम का मृत्यु प्रमाण पत्र भी बन गया है। बावजूद विभाग द्वारा उनका नाम मतदाता सूची में दे दिया गया है। सिया देवी के पति महेंद्र राम का कहना है कि उनकी पत्नी की मौत को करीब एक साल हो चुकी है। मतदाता सूची में गड़बड़ी सिर्फ मृतक तक ही सीमित नहीं है। कई ऐसे मतदाता भी हैं जिनके वार्ड में भी हेरफेर कर दिया गया है। हैरत की बात तो यह है कि लोग एक परिवार में बावजूद मतदाता सूची में अलग-अलग वार्ड के बन गए हैं। इसके बाद अब ग्रामीण के लिए यह परेशानी बन गई है। वार्ड 12 निवासी लक्ष्मी राम ने बताया कि मतदाताओं से पूछे बिना जिला प्रशासन ने मतदाता सूची जारी कर दी है।

जब प्लेन में सबके सामने ही अपने अंडरवियर उतारने लगी महिला

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

हजारों फुट की ऊंचाई पर प्लेन में मौजूद यात्री उस वक्त हैरान रह गए, जब एक महिला यात्री सबके सामने ही अपना अंडरवियर उतारने लगी। हालांकि, उसे क्रू मेंबर्स द्वारा बाद में सीट पर रस्सी और टेप से बांध दिया गया।

यह घटना रूसी विमान की है, जिसमें महिला बार-बार अपने कपड़े उतारने की कोशिश कर रही थी। इसे देखते हुए ही क्रू मेंबर्स ने ऐसा किया। माना जा रहा है कि 39 वर्षीय लड़की उस दौरान नशे में थी और विमान के टेक ऑफ के बाद वह अपनी सीट से उठ गई और केबिन के आस-पास बिना किसी मकसद के टहलने लगी। व्लादिवोस्तोक से टेक ऑफ करने के महज 15 मिनट बाद ही वह लड़की केबिन के पास अपने कपड़े उतारने लगी और क्रू सदस्यों के बार-बार कहने के बाद भी ऐसा कर रही थी। इसके बाद लड़की की सुरक्षा और खुद की सहजता को ध्यान में रखते हुए अन्य यात्रियों ने फ्लाइट अटेंडेंट के साथ मिलकर महिला को सीट पर किसी तरह बैठाया। मगर लड़की की हालत को देखते हुए और कपड़े निकालने से रोकने के लिए अंत में उसे प्लेन में सीट पर टेप और रस्सी से बांधना पड़ा। जब तक विमान की लैंडिंग नहीं हो गई, तब तक लड़की को सीट पर ही बांधे रखा गया था। प्लेन के लैंड होते ही उसे अरेस्ट कर लिया गया। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस उसे एक पुलिस स्टेशन में ले गई, जिसके बाद उसने व्लादिवोस्तोक में विमान पर चढ़ने से पहले एक सिंथेटिक ड्रग का इस्तेमाल करने की बात स्वीकार की। पुलिस को इसके बाद मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया।

भीलवाड़ा कोऑपरेटिव बैंक घोटाला – संपत्ति कुर्क करेगा प्रवर्तन निदेशालय

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भीलवाड़ा महिला शहरी सहकारी बैंक (बीएमयूसीबी) से संबंधित 25.10 करोड़ रुपये के मामले में 9.97 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क करने का आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार, रवींद्र कुमार बोरदिया, कीर्ति बोरदिया, देव किशन आचार्य, महावीर चंद पारख, रोशन लाल संचेती और अन्य की चल और अचल संपत्ति कुर्क होगी। ये सभी राजस्थान के भीलवाड़ा निवासी हैं और धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 (पीएमएलए) के तहत इनकी संपत्ति कुर्क होगी। संपत्तियों में चार बैंक खाते शामिल हैं जिनमें 4.39 लाख रुपये की बैलेंस राशि और 9.92 करोड़ रुपये की 262 अचल संपत्ति है, जिसमें भीलवाड़ा में स्थित 12 बीघा 2.5 बिस्वा कृषि भूमि, आवासीय और वाणिज्यिक संपत्तियां शामिल हैं। राजस्थान पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग जांच शुरू की गई थी और मामले में चार्जशीट दायर की गई थी। 19 मई 2016 को राजस्थान पुलिस के पास इस मामले में शिकायत दर्ज की गई थी।

पुलिस ने अपनी जांच में पाया कि उक्त लोगों ने भीलवाड़ा महिला शहरी सहकारी बैंक (बीएमयूसीबी) के साथ 25.10 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी।

दलालों के चंगुल में फंसे बेरोजगार?

फर्जी डिग्री लेकर सेना भर्ती में पहुंचे छह युवक, आर्मी ने पकड़ा

रांची ■ एजेंसी

झारखंड की राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में 10 मार्च से सेना बहाली की प्रक्रिया चल रही है। 30 मार्च तक चलने वाली इस बहाली प्रक्रिया में राज्यभर के युवाओं को देश सेवा का मौका मिलेगा। लेकिन कुछ युवक दलालों के चंगुल में फंस जाते हैं। ऐसे ही छह युवकों को आर्मी इंटेलिजेंस ब्यूरो की टीम ने फर्जी डिग्री के साथ हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह गोड्डा जिले के दो युवकों की डिग्री जांच की गयी, तो वह बिहार के भागलपुर का पाया गया, जो वैध नहीं था। इसी तरह से गढ़वा का एक युवक हरियाणा के किसी शैक्षणिक संस्थान से 12वीं का डिग्री लेकर पहुंचा था, जबकि हजारीबाग के रहने वाले दो युवक अपनी डिग्री की मूल प्रति के बजाय स्कैन कर लाये थे। इसी तरह से एक अन्य युवक की डिग्री को संदिग्ध पाकर उनसे कड़ाई से पूछताछ की जा रही है। बताया गया है कि युवाओं का भविष्य खराब ना हो और वे गिरोह के बारे में पूरी जानकारी दे देते है, तो उन्हें चेतावनी देकर छोड़ा भी जा सकता है। हिरासत में लिये गये युवकों ने पूछताछ में यह जानकारी दी कि उन्होंने अपने जान-पहचान वालों से बिहार और हरियाणा के शिक्षण संस्थानों में जब नामांकन लिया था तो उन्हें बताया गया था कि उस संस्थान की डिग्री वैध है और वे सेना बहाली में शामिल हो सकते हैं।

राजनीति — सबकी निगाहें बीजेपी के उसी दांव को लेकर है जो सहानुभूति की काट होगा

ममता का सहानुभूति ब्रम्हास्त्र- क्या होगा बीजेपी का काट

ग्राउंड स्ट्रोक

आशीष चौबे

ममता बनर्जी ने अपना ब्रह्मस्त्र चलाकर बीजेपी को एक बारगी तो सोचने पर मजबूर कर ही दिया है । ब्रह्मस्त्र सहानुभूति का । ओपनियन पोल में बढ़त बनाने के बावजूद ममता चुनाव परिणाम को लेकर संशकित है । पल पल बदलते समीकरणों के बीच बीजेपी ममता के गढ़ में सेंध लगाती जा रही है । प्रधानमंत्री की दस लाख की रैली सम्पन्न होने के बाद ममता की बैचेनी और बढ़ी है ।

टीएमसी जानती है कि बीजेपी-संघ की सक्रियता चुनाव परिणाम को पलट देने के सक्षम है। जिसका सबसे बड़ा उदाहरण उत्तरप्रदेश के विधानसभा चुनाव रहा था ।

कभी सत्ता हासिल करने के लिए तोप, तलवार, तमंचों की आवश्कयता होती थी लेकिन लोकतंत्र में सहानुभूति अस्त्र ऐसा मार करता है कि सारे मुद्दे,विरोध,मूल्य सभी गौण हो जाते हैं । सबसे पहले ममता ने बीजेपी के कद्दावर नेताओं के झुंड के सामने अपने आपको एक अकेली लड़ाका महिला दिखाकर मतदाताओ की सहानुभूति बटोरी । समीकरण पूरे सधते न देख...अब चोट लगने का डंका पीट दिया । चोट कैसे लगी या फिर लगी ही नही या विषय अलग है लेकिन प्रस्तुत ऐसा किया जा रहा है कि बीजेपी के समझ से बाहर है कि वह सहानुभूति अस्त्र का कैसे सामना करे । ममता की चोट के नही लेकिन चेहरे पर विवशता के भाव वाले फोटो वॉयरल हैं । बीजेपी के पास ठोस चुनावी रणनीति है..दिग्गज नेताओं की लंबी कतार है लेकिन सहानुभूति अस्त्र की काट अब तक नही है । हालांकि मोदी शाह भी घुटे हुए नेता हैं । जो अपनी मेहनत को सिर्फ एक चोट पर वार देने वाले तो कतई नही है । सबकी निगाहें बीजेपी के उसी दांव को लेकर है जो सहानुभूति की काट होगा । खैर कौन किस पर कितना भारी रहा यह तो भविष्य के गर्भ में हैं लेकिन यह तय है कि बंगाल का समर अभी और दिलचस्प होने वाला है ।

मेडिकल सेवा कर्मियों ने की हड़ताल तो बिना वारंट सीधे गिरफ्तारी, लगा ये एक्ट

नई दिल्ली। राजस्थान में अब अगले 6 महीने तक डॉक्टर, नर्स, एंबुलेंसकर्मी सहित मेडिकल सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों का हड़ताल करना मुश्किल होगा। बता दें कि, प्रदेश के गृह विभाग ने मेडिकल सेवाओं में राजस्थान एसेंशियल सर्विसेज मेंटीनेंस एक्ट की अवधि 6 महीने और बढ़ाने की अधिसूचना जारी कर दी है।

राज्य में पहले से ही 14 मार्च तक रेस्मा लगा हुआ था। अब गृह विभाग ने अधिसूचना जारी कर मेडिकल सेवाओं में राजस्थान एसेंशियल सर्विसेज मेंटीनेंस एक्ट की अवधि 6 महीने के लिए बढ़ाकर 14 सितंबर तक कर दी है। गृह विभाग को यह प्रस्ताव पिछले दिनों चिकित्सा विभाग ने ही भेजा था। ऐसे में अब रेस्मा लागू होने के बाद अब मेडिकल से जुड़ी सभी सेवाओं में हड़ताल या कार्य बहिष्कार गैर कानूनी होगा।२■

पृथ्वी की बदौलत मुंबई फाइनल में, उप्र से होगी खिताबी जंग

नई दिल्ली ■ एजेंसी

विजय हजारे ट्रॉफी अपने आखिरी मुकाम पर पहुंच गया है। 14 मार्च को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मुंबई और उत्तर प्रदेश के बीच खिताबी जंग होनी है। पहले सेमीफाइनल में उत्तर प्रदेश ने गुजरात को पांच विकेट से हराया, तो वहीं दूसरे सेमीफाइनल मैच में मुंबई ने कर्नाटक के खिलाफ 72 रनों से शानदार जीत दर्ज की। पृथ्वी शॉ ने अकेले दम पर मुंबई को इस मैच में जीत दिलाई। कर्नाटक ने टॉस जीतकर मुंबई को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। मुंबई की शुरूआत अच्छी नहीं रही और यशस्वी जयसवाल महज 6 रन बनाकर आउट हो गए। कप्तान शॉ ने 122 गेंद पर 165 रनों की तावड़तोड़ पारी खेली। इस दौरान शॉ के बल्ले से 17 चौके और सात छक्के निकले। शॉ के अलावा दूसरे बेस्ट स्कोरर रहे शम्स मुलानी, जिन्होंने 71 गेंद पर 45 रनों की पारी खेली। शॉ को दूसरे छोर से ज्यादा साथ नहीं मिला, नहीं तो मुंबई कम से कम 350 रन जरूर बना लेती। मुंबई की पूरी टीम 49.2 ओवर में 322 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जवाब में कर्नाटक की टीम 42.4 ओवर में महज 250 रन ही बना सकी। देवदत पडीक्कल ने 64, शरद बीआर ने 61 रनों की पारी खेली। इन दोनों के अलावा बाकी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके।

मुंबई की ओर से तुषार देशपांडे, तनुष कोटियन, प्रशांत सोलंकी और शम्स मुलानी ने दो-दो विकेट लिए। पृथ्वी शॉ इस सीजन में अभी तक 754 रन बना चुके हैं, जबकि सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर पडीक्कल हैं, जिन्होंने कुल 737 रन बनाए हैं। शॉ इस सीजन में एक बार डबल सेंचुरी जड़ चुके हैं, जबकि दो बार 150+ रन बनाए हैं। कुल मिलाकर शॉ ने इस सीजन में चार सेंचुरी ठोकी हैं।

79 बॉल पर शतक जड़ा

21 साल के पृथ्वी ने 79 बॉल में अपना शतक पूरा कर लिया था। इस दौरान उन्होंने 3 छक्के और 12 चौके लगाए थे। आखिर में उन्होंने 122 बॉल पर 165 रन बनाए। उन्हें मीडियम फास्ट बॉलर विजयकुमार ने पगबाधा किया। कर्नाकट के व्यशक ने सबसे ज्यादा 4 और प्रसिद्ध कृष्णा ने 3 विकेट लिए। पृथ्वी ने इस सीजन में अब तक 7 मैच खेले, जिसमें 188.50 की औसत से 754 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 4 शतक भी लगाए। पृथ्वी शॉ ने 25 फरवरी को पुडुचेरी के खिलाफ नाबाद 227 रन की पारी खेली थी। वहीं, पिछले ही मैच में उन्होंने सौराष्ट्र के खिलाफ नाबाद 185 रन बनाए थे। उनके बाद सीजन में सबसे ज्यादा रन कर्नाटक के ही देवदत पडिक्कल नाम दर्ज है। सेमीफाइनल से पहले पडिक्कल ने 695 रन बनाए।

यश और अक्षदीप ने किया दमदार प्रदर्शन

विजय हजारे ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल मैच में उत्तर प्रदेश की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए गुजरात की टीम को 5 विकेट से हराया। इस जीत के साथ ही उत्तर प्रदेश की टीम ने टूनार्मेंट के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात की टीम 48.1 ओवर में 184 रनों पर ऑलआउट हुई। जिसके जवाब में उत्तर प्रदेश की टीम ने 42.4 ओवर में महज पांच विकेट खोकर लक्ष्य को हासिल कर लिया। टीम की तरफ से अक्षदीप नाथ ने 72 रनों की शानदार पारी खेली, जबकि गेंदबाजी में यश दयाल ने तीन विकेट झटके। 185 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी उत्तर प्रदेश की शुरूआत अच्छी नही रही और टीम ने 5 ओवर में ही समर्थ सिंह (11) का विकेट गंवाया। इसके बाद माधव कौशिक भी बल्ले से कुछ खास नहीं कर सके और 15 रन बनाकर पवेलियन लौटे। कप्तान करण शर्मा (38) ने चौथे विकेट के लिए अक्षदीप नाथ के साथ मिलकर 91 रनों की पार्टनरशिप की, जिसकी बदौलत टीम लक्ष्य के इतने करीब पहुंच सकी। क्वॉर्टरफाइनल मैच में शानदार शतक लगाने वाले उपेन्द्र सिंह ने फिर से बढ़िया बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 31 रनों की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई।

| पहला टी 20 मैच आज: टीम इंडिया लगातार 7 टी-20 सीरीज से अजेय |

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज जीत की हैट्रिक बनाने का मौका

अहमदाबाद ■ एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले टी20 मैच से पहले विराट कोहली ने भारत की ओपनिंग जोड़ी के नाम का खुलासा कर दिया है। कोहली ने बताया है कि पहले टी20 मुकाबले में रोहित शर्मा के साथ केएल राहुल ओपनिंग करते दिखाई देंगे। विराट ने यह भी साफ किया कि इन दोनों को आराम दिए जाने की स्थिति में ही शिखर धवन को पारी की शुरूआत करने का मौका मिलेगा। पांच मैचों की टी20 सीरीज का पहला मैच 12 मार्च शुक्रवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है। टेस्ट सीरीज 3-1 से अपने नाम करने के बाद टीम इंडिया अब इंग्लैंड के खिलाफ 12 मार्च से पांच टी-20 मैचों की सीरीज में दो-दो हाथ करने उतरेगी। भारतीय टीम जोरदार फॉर्म में है और टी-20 में वह पिछले सात सीरीज से अजेय है। साथ ही इंग्लैंड की टीम किसी टी-20 सीरीज में भारत को पिछले पांच साल से नहीं हरा पाई है।

रोहित के साथ राहुल करेंगे ओपनिंग

एएनआई के साथ बातचीत करते हुए टीम इंडिया के कप्तान ने केएल राहुल का पक्ष लेते हुए कहा कि उन्होंने निरंतरता के साथ लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और उनका रिकॉर्ड क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में बेहद दमदार रहा है। उन्होंने कहा, 'यह काफी सिंपल है, केएल राहुल और रोहित टॉप ऑर्डर में हमारे लिए अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और वह दोनों ही शुरूआत करेंगे। और अगर रोहित को आराम लेते हैं या फिर केएल को कोई निगल होता है या फिर कुछ और तो शिखर धवन तीसरे सलामी बल्लेबाज के तौर पर टीम में आएंगे। शुरूआती मैचों में रोहित और राहुल पारी का आगाज करेंगे।' भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए कई युवा खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है। आईपीएल में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले सूर्यकुमार यादव, राहुल तेवतिया और ईशान किशन को टीम में मौका दिया गया है। वहीं, भुवनेश्वर कुमार और टेस्ट मैचों में लगातार दमदार प्रदर्शन कर रहे ऋषभ पंत की टीम में वापसी हुई है। जसप्रीत बुमराह को इस सीरीज के लिए आराम दिया गया है। भारत ने इंग्लैंड को टेस्ट सीरीज में 3-1 से हराकर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह पक्की की है।

फरवरी 2019 में हारी थी इंडिया

टी-20 क्रिकेट में भारतीय टीम को किसी द्विपक्षीय सीरीज में आखिरी हार फरवरी 2019 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली थी। भारत में खेली गई उस सीरीज में कंगारू टीम ने 2-0 से जीत हासिल की थी। इसके बाद भारतीय टीम वेस्टइंडीज को दो बार और बांग्लादेश, श्रीलंका, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया को 1-1 बार हरा चुकी है। साउथ अफ्रीका से सीरीज ड्रॉ रही थी

इंग्लैंड को घर-बाहर दोनों हराया

भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पिछली लगातार दो द्विपक्षीय टी-20 सीरीज में जीत हासिल की है। 2017 में भारत में खेली गई सीरीज में भारतीय टीम 2-1 से जीती। इसके बाद 2018 में इंग्लैंड में हुई तीन मैचों की सीरीज में भी टीम इंडिया ने 2-1 के अंतर से जीत हासिल की थी। इस बार भी अगर भारत को जीत मिलती है तो यह उसकी इंग्लैंड पर सीरीज जीत की हैट्रिक होगी।

दूसरी बार पांच मैचों की सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

यह सिर्फ दूसरा मौका होगा, जब टीम इंडिया पांच टी-20 मैचों की द्विपक्षीय सीरीज में उतरेगी। इससे पहले भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 2020 की शुरूआत में पांच मैचों की सीरीज खेली थी। आईसीसीस वर्ल्ड टी-20 को ध्यान में रखते हुए अभी टीमें टी-20 मैचों पर वनडे की तुलना में ज्यादा जोर दे रही हैं। इसी साल भारत में वर्ल्ड टी-20 का आयोजन होना है।

इंग्लैंड के खिलाफ बराबरी का मौका

भारत ने भले ही इंग्लैंड के खिलाफ पिछली दो टी-20 सीरीज में जीत हासिल की है, लेकिन उससे पहले इंग्लैंड की टीम चार में से तीन द्विपक्षीय सीरीज में भारत को मात दे चुकी है। उन तीनों सीरीज में 1-1 मैच ही खेले गए थे। 2012 में दो मैचों की सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही थी। यानी अगर इस बार भारतीय टीम जीत हासिल करती है तो वह तीन सीरीज की जीत के साथ इंग्लैंड की बराबरी कर लेगी।

इंग्लैंड को टेस्ट सीरीज में 3-1 से शिकस्त दी

इंग्लैंड को भारतीय जमीन पर 4 टेस्ट की सीरीज में 3-1 से शिकस्त झेलनी पड़ी। इस हार का बदला इंग्लिश टीम अब टी-20 और वनडे सीरीज में लेना चाहेगी। वहीं, भारतीय टीम यह दोनों ही सीरीज भी अपने नाम करना चाहेगी। टेस्ट सीरीज जीत के साथ ही टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में भी पहुंच गई, जहां उसका मुकाबला साउथैम्पटन में न्यूजीलैंड से होगा। मैच 18 जून को होगा। **इशान ने विजय हजारे में 173 रन की पारी खेली:** इशान ने 51 मैच में 1211 रन बनाए। पिछले सीजन में उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए 14 मैच में सबसे ज्यादा 516 रन बनाए थे। हाल ही में उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी टूनार्मेंट में शानदार प्रदर्शन किया। झारखंड टीम के कप्तान ने मध्यप्रदेश टीम के खिलाफ 94 बॉल पर 173 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 11 छक्के और 19 चौके जड़े।

इशान, तेवतिया, वरुण और सूर्यकुमार को पहली बार मौका

इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 की सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान पहले ही कर दिया गया। इसमें पहली बार इशान किशन, राहुल तेवतिया, वरुण चक्रवर्ती और सूर्यकुमार यादव को मौका मिला। चारों प्लेयर्स के पास इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू का मौका है। यह सभी क्दछ में अपना कारनामा दिखा चुके हैं। ऑफ स्पिनर वरुण ने अब तक 14 क्दछ मैच में 18 विकेट लिए हैं। सूर्यकुमार ने अब तक क्दछ के 101 मैच में 2024 रन बनाए। साथ ही 8 विकेट भी लिए हैं। वहीं, ऑलराउंडर राहुल तेवतिया ने 34 मुकाबले खेले, जिसमें 366 रन बनाए और 24 विकेट लिए।

स्टार फुटबॉलर सुनील छेत्री कोविड पॉजिटिव पाए गए

नयी दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान और स्टार स्ट्राइकर सुनील छेत्री ने गुरुवार को कहा कि वह कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हैं। पॉजिटिव पाए जाने के बाद छेत्री का दुबई में 25 मार्च को ओमान के खिलाफ होने वाले अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच से बाहर होना लगभग तय है। इसी स्थल पर 29 मार्च को संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ मैत्री मैच से भी उनके बाहर रहने की संभावना है। बेंगलुरू एफसी के स्टार फारवर्ड छेत्री ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी और कहा कि वह ठीक महसूस कर रहे हैं। छेत्री ने ट्विटर पर लिखा, अच्छी खबर नहीं है, मैं कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया हूं। अच्छी खबर यह है कि मैं ठीक महसूस कर रहा हूं और बायरस से उबर रहा हूं और जल्दी को फुटबॉल की पिच पर वापसी होनी चाहिए। पिछले महीने तक गोवा में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में हिस्सा ले रहे छेत्री ने कहा, सभी को याद दिलाने के लिए इससे बेहतर समय नहीं हो सकता कि हमेशा की तरह सुरक्षा एहतियात जारी रखें। छेत्री की बेंगलुरू एफसी की टीम सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रही। टीम लीग चरण के बाद सातवें स्थान पर रही।

पूर्व चैंपियन बेंगलुरू एफसी ने पांच मैच जीते जबकि सात ड्रॉ रहे जिससे टीम ने 22 अंक जुटाए। टीम को आठ मैचों में हार का सामना करना पड़ा। छेत्री ने आईएसएल के मौजूदा सत्र में 20 मैचों में आठ गोल दागे। ओमान और यूएई के खिलाफ दो मैचों की तैयारी के लिए राष्ट्रीय टीम के 15 मार्च को दुबई में तैयारी शिविर के लिए एकत्रित होने का कार्यक्रम है। भारत ने पिछला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला नवंबर 2019 में अफगानिस्तान के खिलाफ ताजिकिस्तान और ओमान के खिलाफ मस्कट में 2022 फीफा विश्व कप क्वालीफायर के रूप में खेला था। विश्व कप क्वालीफायर के दूसरे दौर में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो चुका भारत एशियाई चैंपियन कतर और अफगानिस्तान के खिलाफ दो घरेलू मैच खेलने के अलावा बांग्लादेश से उसकी सरजमीं पर भिड़ेगा।

सचिन ने गेंदबाज से पूछा- आपके जैसी बॉडी बनाने के लिए कितने ऑमलेट खाने पड़ेंगे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दुनिया के महानतम बल्लेबाजों में से एक सचिन तेंदुलकर इस समय रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज में खेल रहें हैं। इस सीरीज में भारत समेत सात टीमें जो आपस में मैच खेलेंगी। इसमें इंग्लैंड की टीम भी खेल रही है जिसकी कप्तानी केविन पीटरसन कर रहें हैं। इंग्लैंड के टीम में तेज गेंदबाज क्रिस ट्रेमलेट भी है और उन्होंने अपनी बॉडी बेहद ही शानदार बना ली है। सचिन ने ट्रेमलेट के साथ फोटो शेयर की है। इस फोटो के साथ ही सचिन ने ट्रेमलेट से एक मजेदार सवाल भी पूछ लिया। सचिन इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस ट्रेमलेट की बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन से काफी प्रभावित हुए हैं। सचिन ने ट्रेमलेट की फोटो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है। इस फोटो के साथ ही उन्होंने ट्रेमलेट से एक मजेदार सवाल भी पूछ लिया। सचिन ने फोटो के साथ ट्वीट करते हु कहा कि ऐसी बॉडी बनाने के लिए मुझे कितने ऑमलेट खाने होंगे। वहीं इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस ट्रेमलेट ने सचिन के साथ फोटो शेयर करते हुए लिखा कि अगर मैं इस उम्र इस व्यक्ति जैसा दिखने लग जाए तो मैं बहुत खुश रहूंगा। यह लिखने के साथ ही उन्होंने सचिन के ट्विटर हैंडल को टैग किया। गौर हो कि क्रिस ट्रैमलेट को बॉडी बिल्डिंग का काफी शौक है। उन्होंने अपने इस शौक को क्रिकेट बाद पूरा किया।

आइजोल एफसी ने नेरोका को 1-0 से हराया, रेलीगेशन से बचा

नयी दिल्ली। लालियानसांगा के 46वें मिनट में दागे गोल की बदौलत आइजोल एफसी ने आईलीग फुटबॉल टूनार्मेंट में गुरुवार को यहां नेरोका एफसी को 1-0 से हरा दिया और निचली लीग में खिसकने के खतरे को भी टाल दिया। इस जीत से यान लाउ की टीम के 11 मैचों में 18 अंक हो गए हैं और आइजोल एफसी सत्र के अंत में ग्रुप बी से निचली लीग में खिसकने से सुरक्षित होने वाली पहली टीम बना। नेरोका की टीम के 12 मैचों में आठ अंक हैं और उस पर निचली लीग में खिसकने का खतरा बढ़ गया है।

हशमतुल्लाह ने रचा इतिहास, टेस्ट क्रिकेट में 200 रन बनाने वाले अफगानिस्तान के पहले बल्लेबाज बने

आबुधाबी ■ एजेंसी

अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में हशमतुल्लाह शाहिदी ने दोहरा शतक लगाकर इतिहास रच दिया है। शाहिदी अफगानिस्तान की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। शाहिदी के दोहरे शतक की बदौलत अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट के नुकसान पर 545 रन बनाकर अपनी पहली पहली पारी को घोषित किया। शाहिदी के अलावा टीम की तरफ से असगर अफगान ने भी बेहतीरन बल्लेबाजी करते हुए 164 रनों की शानदार पारी खेली। शाहिदी और असगर अफगान ने चौथे विकेट के लिए मिलकर 307 रनों की पार्टनरशिप की जिसकी दम पर अफगानिस्तान की टीम ने 500 का आंकड़ा पार किया। अफरीदी ने अपनी पारी में 443 गेंदों का सामना किया और 21 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं, पूर्व कप्तान असगर अफगान ने अपनी 164 रनों की इनिंग में 14 चौके और 2 लंबे सिक्स लगाए। दोनों ही बल्लेबाजों ने मिलकर जिम्बाब्वे के गेंदबाजों की जमकर खबर ली और टीम को विकेट के लिए काफी लंबा इंतजार कराया। सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जदरान ने भी बढ़िया बल्लोजी करते हुए 72 रनों की पारी खेली। दो मैचों की टेस्ट सीरीज में जिम्बाब्वे की टीम अभी 1-0 से आगे चल रही है। पहले टेस्ट में जिम्बाब्वे की टीम ने दमदार खेल दिखाते हुए अफगानिस्तान को 10 विकेट से रौंदा था। दोनों ही टीमों के बीच यह सीरीज अबु धाबी में खेली जा रही है। टेस्ट के बाद अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे की टीम को इसी मैदान पर तीन टी20 मैचों की सीरीज भी खेलनी है। जिसका शुरूआत 17 मार्च से होगी।

एलन मस्क ने एक ही दिन में भारत के कई अरबपतियों के जीवन भर की कमाई के बराबर बना ली दौलत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने एक और धमाका किया है। कभी दुनिया के सबसे अमीर शख्स रहे एलन मस्क ने एक ही दिन में 25 अरब डॉलर (करीब 1,81,610 करोड़ रुपये) बना लिए। यह रकम भारत के तीसरे नंबर के रईस शिव नडार की कुल संपत्ति से भी ज्यादा है। बता दें पिछले दिनों मस्क ने केवल चार दिन में ही 27 अरब डॉलर की संपत्ति गंवाई थी। एलन मस्क की संपत्ति एक दिन में जितनी बढ़ी है, उतनी तो भारत के टॉप-10 रईसों में अंबानी-अडाणी को छोड़ किसी अन्य का नेटवर्थ नहीं है। दरअसल उनकी कंपनी टेस्ला के शेयरों में मंगलवार

को 20 फीसद का उछाल आया था। इस वजह से मस्क की संपत्ति 174 अरब डॉलर (करीब 12,64,250 करोड़ रुपये)पर पहुंच गई। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक अब मस्क दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति अमेजन के सीईओ जेफ बेजोस से बहुत करीब आ गए है। तीन हफ्तों की गिरावट के बाद अमेरिकी टेक शेयरों में मंगलवार को धमाकेदार रैली देखी गई। बेजोस को 6 बिलियन डॉलर (लगभग 43,600 करोड़ रुपये) का लाभ हुआ, जिससे उनकी शुद्ध संपत्ति 180 बिलियन डॉलर (लगभग 13,07,750 करोड़ रुपये) हो गई। जनवरी में टेस्ला के संस्थापक का पदभार संभालने के बाद से ही मस्क और बेजोस ब्लूमबर्ग बेल्थ इंडेक्स पर शीर्ष स्थान के लिए जूझ रहे हैं। फोब्र्स के रियल-टाइम बिलियनेयर रैंकिंग्स से हर रोज पब्लिक होल्डिंग्स में होने वाले उतार-चढ़ाव के बारे में जानकारी मिलती है।

आकर्षण ● भारतीय निवेशक घरेलू दाम में नरमी का उठा रहे फायदा, ब्याज दर कम होने से बढ़ी रुचि

सोना सस्ता होने के बावजूद गोल्ड ईटीएफ को लेकर निवेशकों का आकर्षण बरकरार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सोना सस्ता होने के साथ ही निवेशकों का गोल्ड ईटीएफ के प्रति आकर्षण बना हुआ है। इस साल फरवरी में उन्होंने गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में शुद्ध रूप से 491 करोड़ रुपये निवेश किए। निवेशक अंतरराष्ट्रीय बाजार में दाम कम होने, रुपये की विनिमय दर में वृद्धि तथा सीमा शुल्क में कमी से घरेलू बाजार में कम दर का लाभ उठाते हुए निवेश बढ़ा रहे हैं। एसोसएिशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के आंकड़े के अनुसार इससे पहले जनवरी में निवेशकों ने गोल्ड ईटीएफ में शुद्ध रूप से 625 करोड़ रुपये और दिसंबर में

431 करोड़ रुपये निवेश किए थे। इससे पहले, नवंबर में गोल्ड ईटीएफ में 141 करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। गोल्ड ईटीएफ में निवेश जारी रहने से यह पता चलता है कि निवेशकों के बीच गोल्ड के रूप में इस उत्पाद में निवेश को लेकर स्वीकार्यता बढ़ रही है। क्वांटम म्यूचुअल फंड के वरिष्ठ कोष प्रबंधक चिराग मेहता ने कहा, "इस साल सोने के मूल्य में 9 प्रतिशत का सुधार आया है। सोने में निवेश करने वाले परिपक्वता दिखा रहे हैं और कीमत नीचे आने पर निवेश बढ़ा रहे हैं। शुद्ध रूप से फरवरी में गोल्ड ईटीएफ में 491 करोड़ रुपये जबकि जनवरी में 625 करोड़ रुपये निवेश हुए। उन्होंने कहा कि भारतीय निवेशक घरेलू दाम में नरमी का लाभ उठा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत में आ रही कमी, रुपये की विनिमय दर में वृद्धि तथा सीमा शुल्क में कमी से घरेलू बाजार में सोना सस्ता हुआ है। मेहता ने कहा कि निम्न ब्याज दर के साथ मौजूदा वृहत आर्थिक स्थिति, मौद्रिक विस्तार और उच्च मुद्रास्फीति के बीच निवेशक पैसा रणनीतिक संपत्ति में लगा रहे हैं। हालांकि अल्पकाल में कुछ कमजोरियों के बावजूद इन परिस्थितियों के कारण इन निवेश संपत्तियों के लिये मध्यम से दीर्घावधि अनुकूल लग रहा है। उन्होंने कहा, "हम उम्मीद करते हैं कि यह प्रवृत्ति जारी रह सकती है क्योंकि निवेशक कम जोखिम और बेहतर रिटर्न वाले उत्पाद को पसंद कर रहे हैं। वे अपने निवेश पोर्टफोलियो में 10 से 15 प्रतिशत सोने में लगा सकते हैं।

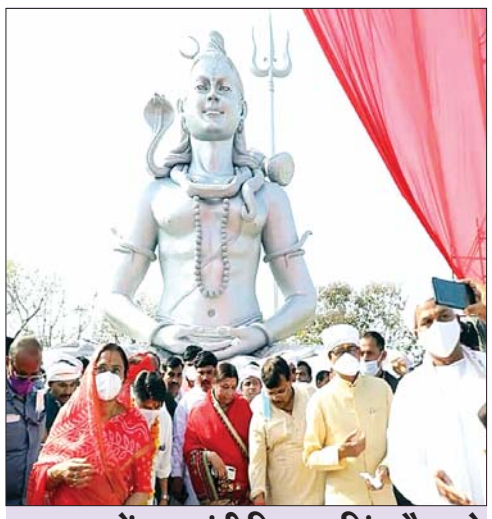

रावतपुरा में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया भगवान शंकर की मूर्ति का लोकार्पण

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान गुरूवार को भिण्ड जिले के रावतपुरा धाम में 3 करोड़ की लागत से निर्मित 85 फीट ऊंचाई की आदि देव शिव प्रतिमा के लोकार्पण समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे, समारोह में मुख्यमंत्री श्री चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती साधना चौहान, पूर्व केन्द्रीय मंत्री एंव राज्यसभा सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री वीडी शर्मा, प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, नगरीय विकास राज्य मंत्री श्री ओपीएस भदौरिया, भिण्ड-दतिया सांसद श्रीमती संध्याराय, गुना-शिवपुरी संसदीय क्षेत्र से सांसद श्री केपीएस यादव, सांसद श्री वीरेन्द्र खटीक, विधायक श्री वीरेन्द्र रघुवंशी, विधायक श्रीमती रक्षा सिरोनिया, विधायक श्री हरीशंकर खटीक, जनप्रतिनिधि सर्वश्री मुकेश चौधरी, राधेलाल रावत, नरेन्द्र सिंह कुशवाह, श्री रावतपुरा सरकार लोक कल्याण ट्रस्ट के महाराज श्री रविशंकर सहित जनप्रतिनिधि गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मूर्ति के लोकार्पण कार्यक्रम में शिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के पवित्र दिन शिवरात्रि पर्व पर मूर्ति के अनावरण के दौरान विशाल स्वरूप में भगवान शिव के दर्शन करने का अवसर मिला है श्री चौहान ने कहा कि रावतपुरा धाम एक अद्भुत धार्मिक एवं तीर्थ क्षेत्र होने के कारण प्रदेश के धार्मिक सर्किट में जोड़ा जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि धाम में पेयजल की समस्या को भी दूर करने और यहां आने वाले श्रद्धालुओं को देखते हुए सामुदायिक भवन की भी व्यवस्था की जायेगी। राज्यसभा सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि रावतपुरा धाम में आकर काफी सकुन मिला है। ऐसा लग रहा है कि वे यहां प्रभु के चरणों में उपस्थित हुए हैं उन्होंने कहा कि रावतपुरा सरकार धार्मिक स्थलों का एक केन्द्र बन चुका है। भगवान शिव की 85 फीट मूर्ति के यहां आकर दर्शन करने का अवसर मिला है। श्री सिंधिया ने कहा कि इस भव्य एवं विशाल मूर्ति को बनाने वाले कारीगरों एवं शिल्पियों का भी विशेष योगदान रहा है उनका भी सम्मान होन चाहिए। श्री सिंधिया ने कहा कि रावतपुरा सरकार चिकित्सा, शिक्षा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में पूरे मध्यप्रदेश में महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। कार्यक्रम को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री वीडी शर्मा ने सम्बोधित करते हुए कहा कि हम बड़े सौभाग्यशाली है कि रावतपुरा धाम में भगवान शिव की विशाल प्रतिमा की स्थापना के दर्शन करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि रावतपुरा सरकार मध्यप्रदेश ही नहीं पूरे देश के अंदर विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर अनूठा उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। उन्होंने कहा कि रावतपुरा धाम आकर चारों धामों के दर्शन करने जैसा अहसास होता है। रावतपुराधाम धर्म, संस्कृति एवं संस्कार देने का एक बड़ा केन्द्र बन रहा है रावतपुरा धाम के गुरूदेव श्री रविशंकर जी ने बताया कि रावतपुरा धाम में स्थापित शिव की मूर्ति के समान ही 11 अन्य स्थानों पर भी मूर्ति स्थापित की जायेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 1991 में वे यहां पर आये थे उसके बाद यह पावन स्थल आज लाखों लोगों की आस्था एवं श्रद्धा का केन्द्र बन चुका है। उन्होंने कहा कि ग्वालियर एवं चंबल की तपोभूमि हमेशा संतों की भूमि रही है। श्री रविशंकर जी ने बताया कि रावतपुरा धाम द्वारा संचालित शिक्षण संस्थाओं के माध्यम से 30 हजार से अधिक छात्र शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। भारतीय ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष एवं पर्यटन विशेषज्ञ प्रदीप कुमार तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा ज्ञान, भक्ति एवं धर्म की नगरी रावतपुरा धाम को तीर्थ पर्यटक सर्किट में जोड़ने से मध्य भारत में एक नया पर्यटन स्थल विकसित होगा ,उन्होंने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके द्वारा दी गई इस सौगात से ग्वालियर चम्बल क्षेत्र में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी तथा पर्यटन से जुड़े व्यवसायियों को प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इस अवसर पर 85 फीट की प्रतिमा बनाने वाले शिल्पकार श्री चन्दुसिंह एवं श्री शीसराम को भी सम्मानित किया। इस मौके पर अतिथियों को ट्रस्ट की ओर से स्मृति चिन्ह भी प्रदाय किये गये।

रावतपुरा धाम को पर्यटक सर्किट से जोड़ने से पर्यटन विकसित होगा: प्रदीप तिवारी

अब गरीबों को घर जाकर दिया जाता है जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ: उर्जा मंत्री श्री तोमर

मिशन नगरोदय के तहत ग्वालियर के 2248 हितग्राहियों को दिया गया योजनाओं का लाभ

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज मिशन नगरोदय के तहत नगरीय निकायों के लिए 3300 करोड़ रूपये की सौगातें प्रदान की। इसके साथ ही अनेक हितग्राही मूलक योजनाओं के हितग्राहियों को प्रदेशभर में लाभ वितरण और नगरीय निकायों में विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं शिलान्यास किया। इसी के तहत ग्वालियर में 2248 हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किये गए। इसके साथ ही विभिन्न विकास योजनाओं का शुभारंभ किया गया। ग्वालियर स्थित जीवाजी विश्वविद्यालय के अटल विहारी बाजपेयी इंटरनेशनल कन्वेंशन हॉल में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, विशिष्ट अतिथि उद्यानिकी मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री भारत सिंह कुशवाह उपस्थित रहे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्वालियर सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने की। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष श्री कमल माखीजान, पूर्व सभापती श्री राकेश माहौर सहित सम्भागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बडी संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि मुख्य मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश की सरकार द्वारा गरीबों के उत्थान के लिए तेजी से कार्य किये जा रहे हैं। पहले जहां पात्रता पर्ची के लिए गरीबों को अधिकारियों के एवं दफ्तरों के चक्कर

लगाने पडते थे। वहीं अब पात्रता पर्ची घर-घर पहुंचाई जा रही है। इसके साथ ही प्रदेश के गरीबों को अच्छे हॉस्पिटल मिलें, अच्छे स्कूल मिले इसके लिए भी सरकार द्वारा तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होने कहा कि ग्वालियर के विकास के लिए प्रदेश सरकार द्वारा ऐतिहासिक कार्य किये जा रहे हैं। जिसमें लगभग 900 करोड़ रूपये की लागत से स्वर्ण रेखा नदी के उपर एलिवेटेड रोड बनाई जा रही है। जो कि ग्वालियर के विकास में नये आयाम रचेगी। वहीं पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं ग्वालियर के सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर के सराहनीय प्रयासों से ग्वालियर शहर के विकास के लिए अनेक योजनायें क्रियान्वित की जा रही हैं, जिनका लाभ आने वाले समय में ग्वालियर के लोगों को मिलेगा। ग्वालियर सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चैहान ने मध्य प्रदेश के सभी नगरों को सवांरने का कार्य किया है। ग्वालियर में भी पिछले समय से काफी परिवर्तन आया है तथा निरंतर विकास चल रहा है। आने वाले समय में ग्वालियर शहर का बडी-बडी विकास योजनाओं का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर देशभर में प्रारम्भ किये गए अमृत महोत्सव के कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा स्वतंत्रता की 75वी वर्ष गांठ पूर्ण होने के उपलक्ष में सावरमती से एक यात्रा प्रारम्भ की जा रही है। यह यात्रा स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले बलिदानियों के लिए समर्पित होगी। इसी तारतम्य में देश के प्रत्येक शहर की तरह ग्वालियर में भी कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं जिसका शुभारंभ वीरांगना लक्ष्मीबाई की समाधी पर माल्यार्पण के साथ किया गया। उद्यानिकी मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि मध्य प्रदेश देश का आत्मनिर्भर प्रदेश बनने की ओर बढ रहा है। मुख्य मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश लगातार विकास कर रहा है तथा आज हम सभी को आत्मनिर्भर अभियान में सहभागी बनने की आवश्यकता है। क्योंकि जब हमारा ग्वालियर आत्मनिर्भर होगा तो प्रदेश आत्मनिर्भर बनेगा। श्री कुशवाह ने बताया कि आज मिशन नगरोदय के तहत प्रदेशभर में करोडों रूपये की विकास योजनाओं का शुभारंभ किया जा रहा है, तथा हजारों जरूरतमंद हितग्राहियों को प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ वितरित किया जा रहा है। इसी के तहत ग्वालियर में बडी संख्या में हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया जा रहा है। कार्यक्रम के प्रारम्भ में अतिथियों द्वारा कन्याओं का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में अतिथियों का स्वागत नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा ने पुष्प गुच्छ भेंट कर किया।

शहर के छावनी क्षेत्र को मिली सड़क, सीवर व पेयजल की सौगातें

ग्वालियर। ग्वालियर शहर के छावनी क्षेत्र को सड़क, सीवर लाइन व पेयजल सहित विकास कार्यों की अन्य सौगातें मिली हैं। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह एवं सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने शुक्रवार को छावनी क्षेत्र में 768 लाख रुपए से अधिक लागत के 88 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया। मुख्यमंत्री अधोसंरचना मद से मंजूर हुए इन विकास कार्यों में 400 लाख रुपए से अधिक के 41 कार्यों का लोकार्पण एवं लगभग 368 लाख रुपए के 47 विकास कार्यों का भूमिपूजन शामिल हैं। श्री कुशवाह ने इस अवसर पर कहा कि छावनी क्षेत्र को विकास के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई जायेगी। प्रदेश सरकार पूरी शिद्दत के साथ छावनी क्षेत्र के विकास के लिये प्रयासरत है। शुक्रवार को छावनी क्षेत्र में हाथीखाना चौराहे पर आयोजित हुए विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन समारोह में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने कहा कि छावनी क्षेत्र के लिये जल्द ही पेयजल के लिये पाँच करोड़ रूपए की अतिरिक्त राशि मिलेगी। साथ ही लगभग 9 करोड़ 57 लाख रूपए लागत से नई सड़कें भी इस क्षेत्र में बनेंगीं। शासन स्तर पर इन कार्यों की स्वीकृति की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। श्री कुशवाह ने कहा कि प्रदेश सरकार ने छावनी क्षेत्रों के सुनियोजित विकास के लिये प्रदेश के 5 छावनी क्षेत्रों को नगरीय निकाय का दर्जा दिया है। देश के अन्य राज्यों में ऐसी व्यवस्था नहीं है। श्री कुशवाह ने कार्यक्रम में मौजूद छावनी क्षेत्र के निवासियों से आह्वान किया कि वे कोविड गाइडलाइन का पालन करें। मास्क लगाकर ही घर से निकलें। साथ ही नियमित रूप से हाथ धोते रहें। सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा खुशी की बात है स्थानीय विधायक एवं प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह के प्रयासों से छावनी क्षेत्र को लगभग 8 करोड़ रुपए लागत के विकास कार्यों की सौगातें मिलीं हैं। उन्होंने कहा कोरोना संकट के बावजूद प्रदेश सरकार ने विकास का पहिया थमने नहीं दिया है। सरकार सभी के लिए रोटी, कपड़ा व मकान के साथ-साथ पढ़ाई, दवाई और कमाई का इंतजाम कर रही है। छावनी क्षेत्र में शुक्रवार को राज्य मंत्री श्री कुशवाह एवं सांसद ने जिन कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया।

अटेर सोशल मीडिया एवं आई.टी. विभाग की कार्यकारणी घोषित की गई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

अटेर/भिण्ड।विधानसभा अटेर सोशल मीडिया एवं आई.टी विभाग के विधानसभा अध्यक्ष

(समन्वयक) विजय कांकर ने कॉंग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष श्री कमलनाथ जी के दिशा निर्देशानुसार एवं पूर्व विधायक श्री हेमंत कटारे जी की अनुसंसा व आई.टी विभाग के प्रदेश अध्यक्ष अभय तिवारी जी की सहमति से विधानसभा कार्यकारणी अटेर रोड पूर्व विधायक हेमंत कटारे जी के बाड़े पर घोषित की गई। पूर्व विधायक हेमंत कटारे जी द्वारा सभी नवनियुक्त पदाधिकारीयों को नियुक्ति पत्र दिये गये और फूल-माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस मौके पर हेमंत कटारे ने सभी कार्यकार्ताओं को समबोधित करते हुए सोशल मीडिया के महत्व के बारे में बताया। आई.टी सेल के सभी पदाधिकारीयों को बधाई शुभकामनायें देते हुये कटारे जी ने कहा सोशल मीडिया के माध्यम से आप सभी लोगों को कांग्रेस की विचारधारा की लड़ाई लड़नी है। कांग्रेस की पिछले 70 सालों की उपलब्धिया सोशल मीडिया के माध्यम से जन-जन तक पहुचाने का कार्य करें। किसानों, नौजवान बेरोजगार, महिला उत्पीड़न की लड़ाई भी लड़े। केन्द्र की मोदी सरकार किसानो के अहित के लिए जो काले कानून लाये गये है उनका भी प्रचार-प्रसार सोशल मीडिया के माध्यम से करें। इस मैसेज को जनता तक नगरीय निकाय चुनाव से पहले पहुचाने का कार्य करें। इस मौके पर कांग्रेस आई.टी. सेल के प्रदेश सचिव राघवेन्द्र कांकर, कांग्रेस आई.टी. सेल के जिला अध्यक्ष शिशुपाल सिंह भदौरिया, विधानसभा अध्यक्ष विजय कांकर, भिण्ड ब्लॉक अध्यक्ष दीपू दुबे,बाबा भगवान दास सेथिया, अटेर ब्लॉक अध्यक्ष अरविन्द बघेल, रामकिशोर बीसलपुरा, सुनील कांकर, मोहित तोमर, प्रवक्ता देवेश शर्मा ,अनिल शर्मा ,कमल जैन ,आदि लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे।

कार्यकारीणी निम्नानुसार है- उपाध्यक्ष- अरूण महेरे, अजर बिहारी शर्मा, अजय भदौरिया, कुलदीप पुरोहित, मनेन्द्र मोर्य, अनुज बाजपेयी, रानू पण्डित, विक्रान्त शर्मा,

महासचिव- राहुल राजावत, अहिवरन सिंह लोधी, संतोष चैहान, सलमान मंसूरी, सर्वेश यादव, राजीव शर्मा, दिनेश यादव, धर्मेन्द्र खटीक, जयवीर सिंह भदौरिया

सचिव- शुभम शर्मा, रिषभ शर्मा, दीपक कटारे, सतीष खटीक, हेमंत खटीक, देवेश पचौरी, प्रताप कांकर, सहवीर यादव, शिवम पराशर, कल्लू पचैरी, सन्नी भदौरिया, सुमित शर्मा, अमन शर्मा , शिवम यादव, कुनु राजावत, भूरे यादव, सतेन्द्र भदौरिया, सुनील श्रीवास, विष्णु।

नारी शक्ति सम्मान समारोह में भारतीय कलाकार संघ बी.के.सीरियल के आर्टिस्ट हुए सम्मानित

नारी शक्ति सम्मान समारोह में भारतीय कलाकार संघ बी के सीरियल के आर्टिस्ट हुए सम्मानित

कुलदीप रिपोर्टर

ग्वालियर। ग्वालियर की संस्था बेटी है तो कल है सामाजिक संस्था द्वारा महान समाजसेवी सावित्रीबाई फुले जी की पुण्यतिथि पर नारी शक्ति सम्मान का आयोजन किया गया। जिसमें आज ग्वालियर शहर में भारतीय कलाकार संघ बी.के.सीरियल ÷अध्यक्ष आर्टिस्ट बेताल केन व सभी भारतीय कलाकार संघ बी.के.सीरियल ग्वालियर पदाधिकारी महिला प्रकोष्ठ से अध्यक्ष आर्टिस्ट पारस जादोन उपाध्यक्ष अंजली सक्सेना सह सचिव वैशाली राजपूत सचिव के डी कुलदीप केन सह सचिव अमित मंडेलिया बॉबी माहौर अजय जाटव आदि सभी पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जयप्रकाश राजौरिया कार्यक्रम की अध्यक्षता मुन्नालाला गोयल ने की विशिष्ट अतिथि महिला मोर्चा की अध्यक्ष श्रीमती खुशबू गुप्ता,राजकुमार प्रिंस,एडवोकेट जगदीश शर्मा,नीलम दीक्षित व रेखा अग्रवाल थी। कार्यक्रम का संचालन डॉ वन्दना भूपेन्द्र प्रेमी आभार डा बुसरा मलिक द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने लगाया चांदनी का पौधा

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट उद्यान में चांदनी का पौधा लगाया। इस अवसर पर पूर्व महापौर श्री आलोक शर्मा उपस्थित थे। परिजन की **जन्मतिथि और पुण्यतिथि पर लगाएँ पौधे**-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रत्येक परिवार पौधे लगाए। मांगलिक अवसरों पर पौधे लगाए जाये। हर व्यक्ति अपने जन्म-दिन के अवसर पर अवश्य पौधे लगाए। इसी तरह परिवार के दिवंगत सदस्य की स्मृति में उनकी पुण्यतिथि पर पौधे लगायें।

चांदनी के पौधे का महत्व-चांदनी का पौधा स्नायुतंत्र को सशक्त करने वाला माना गया है। स्नायु संबंधी रोगों के लक्षणों को यह नियंत्रित करता है। इसके फूल श्वेत रंग के होते हैं। यह पौधा फूलवाड़ियों में काफी देखने को मिलता है। इसके फूलों की तासीर गर्म होती है। हृदय को मजबूत करने में भी इस पौधे का विशेष महत्व है।

कोविड-19 वैक्सीनेशन टीकाकरण किया गया

रानी पाली नेनाराम सीरवी। निकटवर्ती ग्राम वडेर वास के उप स्वास्थ्य केंद्र पर नर्सिंग कर्मी मेहंदी हसन समीक्षा श्रीमाली नरेश शर्मा धर्मेंद्र जांगिड़ का ग्राम पंचायत मुख्यालय पर स्वागत किया गया और टीकाकरण शिविर की शुरुआत की गई। कोविड-19 वैक्सीनेशन को लेकर टीकाकरण किया गया। टीकाकरण के दौरान 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोग उत्साह पूर्वक कोविड व्यक्ति टीका लगवाने को लेकर उप स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचकर प्रथम डोज का टीका लगवाया गया। ग्राम पंचायत वडेर वास सरपंच लीला देवी सिरवी ग्राम विकास अधिकारी अरविंद ओझा कनिष्ठ सहायक पुखराज सिरवी पंचायत सहायक मिट्ठू सिंह विक्रम सिंह एवं अन्य पंचायत कार्मिकों द्वारा कोविड-19 वैक्सीनेशन टीका लगवाने को लेकर ग्राम पंचायत क्षेत्र की जनता को प्रेरित किया।उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि कबीर वैक्सीनेशन लगाने से किसी प्रकार का साइड इफेक्ट नहीं है। जिससे कोरोना जैसी बीमारी से बचा जा सकता है। अभी को ना पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। अपने ग्राम पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत 60 वर्ष से अधिक उम्र वर्ग के व्यक्तिथा 45 से 60 वर्ष तक आयु वर्ग के ऐसे व्यक्ति जो किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित व्यक्तियों को कोविड-19 टीका लगवाने को लेकर प्रेरित किया गया। वडेर वास उप स्वास्थ्य केंद्र पर कोविड-19 वैक्सीनेशन टीकाकरण के दूसरे दिन डोर टू डोर बुजुर्ग पुरुष एवं महिला उप स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचकर प्रथम डोज का टीका लगाया गया।

गरीबों का कल्याण शहरों का समुचित विकास सरकार का लक्ष्य भदौरिया

मेहगांव गरीबों का कल्याण करना एवं शहरों का समुचित विकास करना मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार का लक्ष्य है यह बात मध्यप्रदेश सरकार के नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री ओपीएस भदौरिया ने मेहगांव नगरपरिषद प्रांगण में एक करोड़ 15 लाख रुपये की लागत के भूमिजन व लोकार्पण कार्यक्रम में बोलते हुए कही उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने कर्मकार मण्डल योजना सम्बल योजना ट्रीद बेंडर योजनाएं गरीबो के कल्याण के लिए चालू की है जिनका लाभ प्रदेश के गरीब हितग्राहियों को मिल रहा उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के समस्त नगरों में स्वच्छ पेयजलापूर्ति हो में समुचित सफाई हो उन्होंने कहा कि नगरों के बिकास में अतिक्रमण बहुत बड़ी बाधा है में नगरवासियों से आव्हान करता हूं कि नगर का समुचित विकास तभी हो सकता जब नगर अतिक्रमण मुक्त हो नगरवासियों को अपने अपने अतिक्रमण स्वेच्छा से स्वयं हटा लेना चाहिए।

कन्या पूजन से हुई कार्यक्रम की शुरुआत- कार्यक्रम में राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया ने सर्वप्रथम कन्यापूजन किया तदुपरांत शहीद

दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रपिता महात्मागांधी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन व दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की

कार्यक्रम में यह रहे मौजूदकार्यक्रम में नगरीय प्रशासन राज्य मंत्री ओपीएस भदौरिया पूर्व नगर परिसद अध्यक्ष ममता भदौरिया सुधा राठौर मौजूद रहे कार्यक्रमका आभार नगरपरिषद के सीएमओ योगेंद्र तोमर ने किया

नगरपरिषद के प्रशाशक एसडीएम को नही मिला मंच पर स्थान-मिशन नगरोदय के तहत गुरुवार को जब नगरीय प्रशासन राज्यमंत्री ओपीस भदौरिया मेहगांव नगरपरिषद प्रांगण में एक करोड़ 15 लाख रुपये के निर्माण कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन कर रहे थे उस समय मंच पर नगरपरिषद के प्रशासक एसडीएम महेश बढोले भी मौजूद थे लेकिन उनको मंच पर बैठने के लिए स्थान नही मिला मंत्री जी की मौजूदगी में एक प्रशासन के अधिकारी को मंच पर स्थान न मिलना चर्चा का बिषय रहा।

इनका कहना है

हम कोई जनप्रतिनिधि नहीऔर नाही यहां लम्बे समय तक हमे रहना है जो हुआ वह अच्छा हुआ माननीय मंत्री जी मंच पर मौजूद थे हम साइड में खड़े थे

महेश बढोले एसडीएम प्रशासक नगर परिषद मेहगांव

PTV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल

अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे ।

तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थति या फिर स्वछता के ऊपर अपने विचार

आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं

हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।

PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल

Whatsapp :- 9425665944,7999246560, 9691270207

gmail - pushpanjalitoday@gmail.com

नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निगर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478